भाद्रपद शुक्ल - 12 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 65 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 27-09-2023 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 पहले काम कोई करता था, पद्म पुरस्कार कोई और ले जाता था: आनंदीबेन

6 25 वर्ष का हुआ हमारे पल-पल का साथी गूगल

7 देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाना युवाओं पर निर्भर करता है : डॉ. तमिलिसाई सौंदराजन

फर्स्ट टेक

वहीदा रहमान को दादासाहेब फाल्के पुरस्कार की घोषणा

नई दिल्ली/भाषा। जानी-मानी अभिनेत्री वहीदा रहमान को भारतीय सिनेमा में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए इस वर्ष के दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को यह जानकारी दी। दादा साहेब फाल्के पुरस्कार भारतीय सिनेमा के क्षेत्र में देश का सर्वोच्च पुरस्कार है। भारत की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में गिनी जाने वाली वहीदा रहमान ने 'प्यासा', 'सीआईडी', 'गाइड', 'कागज के फूल', 'खामोशी' और 'त्रिशूल' समेत कई फिल्मों में अभिनय किया है। उन्होंने दिवंगत अभिनेता देव आनंद की जन्म शती के मौके पर 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''मुझे दोगुनी खुशी है क्योंकि यह देव आनंद का जन्मदिन है। मुझे लगता है कि तोहफा उनको मिलना था, मुझे मिल गया।''

पाकिस्तान के लिए भारतीय सेना की जासूसी करने का आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए भारतीय सेना की जासूसी करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एटीएस ने मंगलवार को एक बयान में यह जानकारी दी। उत्तर प्रदेश के विशेष पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने मंगलवार को एक बयान जारी किया, जिसमें कहा गया है कि एटीएस ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए भारतीय सेना की जासूसी करने के आरोप में कासगंज जिले के पटियाली थाना क्षेत्र के जिनौल के निवासी शैलेश कुमार सिंह उर्फ शैलेन्द्र सिंह चौहान को गिरफ्तार किया है। शैलेश के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज करके उसे अदालत में पेश किया गया है और नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

सीपीईसी के तहत पाकिस्तान के साथ सहयोग और बढ़ाने से चीन का इनकार

इस्लामाबाद/भाषा। चीन ने अरबों डॉलर की लागत वाले चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के तहत ऊर्जा, जल प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्रों में सहयोग का और विस्तार करने से इनकार कर दिया है। यह बात मंगलवार को सामने आई, जो दोनों देशों के बीच दोस्ती में तनाव का संकेत देती है। वहीं, नकदी के संकट से जूझ रहे पाकिस्तान ने बलूचिस्तान प्रांत के ग्वादर में एक नया आयातित कोयला आधारित बिजली संयंत्र स्थापित करने पर अपना विरोध छोड़ दिया और चीन की चिंताओं को दूर करने के लिए उसकी कई मांगों पर सहमति व्यक्त की। '

सूर्यास्त 27-09-2023	सूर्योदय 28-09-2023
6:12 बजे	6:08 बजे

BSE	NSE
65,945.47	19,664.70
(-78.22)	(-9.85)

सोना	चांदी
6,161 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	74,997 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जल पर जलजला

जल का बंटवारा कैसे हो,
सब को इस पर हैरानी है।
कर रहे राजनीति सारे,
सबकी अपनी मनमानी है।
सब सोचो सबके ही हित की,
सत्ताएं आनी-जानी है।
कुदरत की पूंजी है पानी,
हम इस पर पानी-पानी है।।

विरोध प्रदर्शन

कावेरी जल मुद्दे पर मंगलवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन किया।

भविष्य के नए दरवाजे खोलना सरकार की नीति : प्रधानमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ मोदी ने विभिन्न सरकारी विभागों में 51,000 से अधिक नवनियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि नए संसद भवन में महिला आरक्षण विधेयक के पारित होने से देश के नए भविष्य की शुरुआत हुई है। उन्होंने जोर दिया कि लड़कियों के लिए भविष्य के नए दरवाजे खोलना उनकी सरकार की नीति है।

मोदी ने विभिन्न सरकारी विभागों में 51,000 से अधिक नवनियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से एक रोजगार मेले को संबोधित करते हुए शासन में प्रौद्योगिकी के बढ़ते उपयोग पर भी जोर दिया। उन्होंने नवनियुक्त कर्मचारियों से कहा कि सरकारी योजनाओं में प्रौद्योगिकी के उपयोग से भ्रष्टाचार और जटिलताओं पर अंकुश लगा है तथा विश्वसनीयता और सुविधा में इजाफा हुआ है।

प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी), ट्रेन टिकट की बुकिंग और डिजिटल लॉकर सहित मिल रहीं अन्य सुविधाओं का हवाला देते हुए उन्होंने नवनियुक्त कर्मियों को 'नागरिक-प्रथम' की भावना से काम करने की सलाह दी। उन्होंने युवाओं से शासन में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी का अधिक से अधिक उपयोग करने के लिए कहा।

'कोई भी देश अकेले इन चुनौतियों का समाधान नहीं कर सकता'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हिंद-प्रशांत क्षेत्र की जटिलताएं दूर करने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी : राजनाथ

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र की जटिलताओं से निपटने और क्षेत्र में समृद्धि, सुरक्षा तथा समावेशी भविष्य सुनिश्चित करने के लिए मंगलवार को ''सामूहिक प्रयास'' करने का आह्वान किया।

13वें हिंद-प्रशांत सेना प्रमुख सम्मेलन (आईपीएससी) में सिंह ने कहा कि राष्ट्रों को यह समझना चाहिए कि वैश्विक मुद्दों में कई हितधारक शामिल हैं और कोई भी देश अकेले इन चुनौतियों का समाधान नहीं कर सकता। उनकी यह टिप्पणी हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के आक्रामक सैन्य व्यवहार पर बढ़ती वैश्विक चिंताओं के बीच आई है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और समृद्धि 'वसुधैव कुटुंबकम' (दुनिया एक परिवार है) के प्राचीन भारतीय लोकाचार के अनुरूप हासिल की जा सकती है।

भारतीय सेना द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में 30 से अधिक देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि हिंद-प्रशांत अब एक नौवहन रचना ही नहीं है, बल्कि एक पूर्ण भू-रणनीतिक रचना है, और यह क्षेत्र सीमा विवादों और समुद्री दस्यु सहित विभिन्न सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहा है।

रक्षा मंत्री ने अमेरिकी लेखक स्टीफन आर कोवी के एक सैद्धांतिक मॉडल के माध्यम से क्षेत्र के लिए अपने दृष्टिकोण को समझाया, जो 'सर्कल ऑफ कन्सर्न' और 'सर्कल ऑफ इन्फ्लुएंस' पर आधारित है। उन्होंने कहा, ''ऐसे उदाहरण हो सकते हैं जब विभिन्न देशों के 'चिंता के चक्र' यानी 'सर्कल ऑफ कन्सर्न' एक-दूसरे पर हावी होते हैं। किसी भी देश के विशेष आर्थिक क्षेत्रों से परे, समुद्र से गुजरने वाले अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार मार्ग प्रासंगिक उदाहरण हैं।'' रक्षा मंत्री ने कहा, ''इसके फलस्वरूप या तो राष्ट्रों के बीच संघर्ष हो सकता है या वे पारस्परिक रूप से जुड़ाव के नियमों को तय करके सह-अस्तित्व का फैसला कर सकते हैं। इस तरह की अवधारणा रणनीतिक सोच और प्राथमिकता के महत्व को रेखांकित करती है।'' सिंह ने कहा कि राष्ट्रों को यह समझना चाहिए कि वैश्विक मुद्दों में कई हितधारक शामिल हैं और कोई भी देश अकेले इन चुनौतियों का समाधान नहीं कर सकता।

पंजाब के पूर्व वित्त मंत्री मनप्रीत बादल के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब में बठिंडा की एक अदालत ने संपत्ति की खरीद में कथित अनियमितताओं के मामले में पंजाब के पूर्व वित्त मंत्री मनप्रीत सिंह बादल के खिलाफ मंगलवार को गिरफ्तारी वारंट जारी किया। पंजाब सतर्कता ब्यूरो ने बठिंडा में संपत्ति खरीद में अनियमितताओं के आरोप में बादल और पांच अन्य के खिलाफ आरोप दर्ज किया है। मामले में तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। यह गिरफ्तारी वारंट बठिंडा में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत द्वारा जारी किया गया। सोमवार को इस मामले में मनप्रीत बादल के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया गया था। पंजाब सतर्कता ब्यूरो की टीम ने बादल के मुक्तसर स्थित आवास पर छापा मारा था जिसके बाद बादल को पकड़ने के लिए सोमवार को उनके खिलाफ ''लुकआउट सर्कुलर'' जारी किया गया। बादल जनवरी में कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए थे।

26/11 आतंकी हमले से कुछ दिन पहले मुंबई के होटल में ठहरा था तहव्वुर राणा : पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुंबई में 26 नवंबर 2008 को हुए आतंकवादी हमले के मामले में पाकिस्तानी मूल के कनाडाई कारोबारी तहव्वुर राणा के खिलाफ दायर पूरक आरोप पत्र में पुलिस ने उल्लेख किया है कि वह हमले से ठीक पहले पवई उपनगर के एक होटल में दो दिन ठहरा था। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने गैर-कानूनी गतिविधियां (निवारण) अधिनियम (यूएपीए) के तहत दर्ज मामलों की सुनवाई कर रही एक विशेष अदालत के समक्ष सोमवार को 400 से अधिक पृष्ठ का आरोप पत्र दायर किया। यह इस मामले में चौथा आरोप पत्र है।

फिलहाल राणा अमेरिका में हिरासत में है और उस पर मुंबई हमले को लेकर कई आरोप हैं। माना जाता है कि वह 26/11 हमले के मुख्य षडयंत्रकारियों में से एक पाकिस्तानी-अमेरिकी आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली से जुड़ा हुआ था।

आरोपपत्र में उल्लेख किया गया है कि तहव्वुर हुसैन राणा 11 नवंबर, 2008 को भारत आया था और 21 नवंबर तक यहां रहा। मुंबई पुलिस की अपराध शाखा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि उसने दो दिन पवई के रेनेसां होटल में बिताए। उन्होंने कहा, हमें राणा के खिलाफ दस्तावेजी साक्ष्य और कुछ बयान मिले हैं जिनमें साजिश में उसकी भूमिका का पता चलता है। दस्तावेजी साक्ष्य से पता चलता है कि राणा 26/11 हमले के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक पाकिस्तानी-अमेरिकी आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली के साथ साजिश में सक्रिय रूप से शामिल था।

अधिकारी ने कहा कि उसने (राणा ने) फर्जी दस्तावेजों के आधार पर हेडली को भारतीय पर्यटक वीजा दिलाने में मदद की थी। उन्होंने कहा कि राणा ने कथित तौर पर 26/11 के आतंकवादी हमले को अंजाम देने में लश्कर-ए-तैयबा की मदद की थी। उन्होंने कहा, 'अपराध शाखा को हेडली और राणा के बीच का ईमेल संवाद मिला है।' उन्होंने कहा कि एक ईमेल में हेडली ने मेजर इकबाल की ईमेल आईडी के बारे में पूछा था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के लिए काम करने वाले मेजर इकबाल को 26/11 मामले में आरोपी नामजद किया गया है।

भारत उत्तर-दक्षिण विभाजन, पूर्व-पश्चिम ध्रुवीकरण को पाटने में सक्षम : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि इस साल जी20 की अध्यक्षता के दौरान, भारत उत्तर-दक्षिण विभाजन और पूर्व-पश्चिम ध्रुवीकरण को पाटने में सफल रहा और दुनिया के सबसे शक्तिशाली देशों को मानवता के सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने तथा उनके हल के लिए प्रतिबद्ध होने को प्रोत्साहित किया गया। उन्होंने नई दिल्ली के भारत मंडपम में 'यूनिवर्सिटी कनेक्ट' कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबोधित करते हुए यह बात कही। जयशंकर 78वें संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र में भाग लेने के लिए अभी न्यूयॉर्क में हैं।

जयशंकर ने कहा कि भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान शिखर सम्मेलन में कठिन मुद्दों पर बात हुई और सामूहिक कार्रवाई पर जोर दिया गया।

विदेश मंत्री ने जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के सफल परिणामों का जिक्र करते हुए कहा, ''जब हम कहते हैं, एक विश्व, एक कुटुम्ब, एक भविष्य, तो दुनिया हम पर विश्वास करती है। आज, भारत को एक समाधान प्रदाता के रूप में देखा जाता है, जो विभाजन की खाई को पाटता है।'' जयशंकर ने कहा, ''हम उत्तर-दक्षिण विभाजन और पूर्व-पश्चिम ध्रुवीकरण को पाटने और दुनिया के सबसे शक्तिशाली देशों को आज मानवता के सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने और उनका हल करने के लिए प्रोत्साहित करने में सफल रहे।'' उन्होंने कहा, ''यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारत की जी20 अध्यक्षता में कठिन मुद्दों पर बातचीत हुई और सामूहिक कार्रवाई पर जोर दिया गया।''

यूनिवर्सिटी कनेक्ट

प्रधानमंत्री मंगलवार को नई दिल्ली के प्रगति मैदान में भारत मंडपम में जी20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट फिनाले में शामिल हुए।

खालिस्तानी चरमपंथियों को ''पीछे से बढ़ावा दे रहा'' है कनाडा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खालिस्तानी समर्थक तत्व 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' और 'राजनीतिक समर्थन' जैसी धारणाओं की आड़ में करीब 50 साल से कनाडा की जमीन से ''स्वतंत्र रूप से काम कर रहे'' हैं, लेकिन कनाडा इन चरमपंथियों द्वारा डराने धमकाने, हिंसा किए जाने और नशीले पदार्थों की तस्करी में लिप्त रहने पर ''पूरी तरह चुप्पी साध'' लेता है। सूत्रों ने मंगलवार यह जानकारी दी।

सूत्रों ने कहा कि 'एयर इंडिया' के विमान कनिष्क में 1985 में खालिस्तानी चरमपंथियों ने बम विस्फोट किया था और यह अमेरिका में 11 सितंबर 2001 को हुए हमले से भी पहले हुआ दुनिया के सबसे बड़े आतंकवादी हमलों में से एक हमला था। उन्होंने कहा कि कनाडाई एजेंसियों की स्पष्ट ''बेरुखी'' के कारण इस हमले का मुख्य आरोपी तलविंदर सिंह परमार और उसके खालिस्तानी चरमपंथियों का समूह बचकर निकल गए। सूत्रों ने कहा कि विडंबना यह है कि परमार अब कनाडा में खालिस्तान समर्थक चरमपंथियों का नायक है और प्रतिबंधित समूह 'सिख फॉर जस्टिस' ने अपने अभियान केंद्र का नाम भी परमार के नाम पर रखा है।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में खालिस्तानी चरमपंथियों के ''हौंसले और बुलंद हो गए '' तथा उन्होंने 'बिना किसी खौफ' के कनाडा से काम करना शुरू कर दिया। सूत्रों ने कहा कि पिछले एक दशक में पंजाब में सामने आए आतंकवाद के आधे से ज्यादा मामलों के तार कनाडा स्थित खालिस्तानी चरमपंथियों से जुड़े होने का पता चला है। उन्होंने कहा कि 2016 के बाद पंजाब में सिखों, हिंदुओं और ईसाइयों को लक्ष्य बनाकर की गई कई हत्याएं खालिस्तानी चरमपंथी हरदीप सिंह निज्जर की करतूत थीं, जिसकी हत्या से भारत और कनाडा के बीच विवाद पैदा हो गया है।

सूत्रों ने कहा कि कनाडाई एजेंसियों ने निज्जर और उनके मित्रों भगत सिंह बराड़, पैरी दुलाई, अर्श डल्ला, लखबीर लांडा और कई अन्य लोगों के खिलाफ कथित तौर पर कभी कोई जांच शुरू नहीं की। पंजाब में लाशों का ढेर लगने के बावजूद वे ''राजनीतिक कार्यकर्ता'' बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब आज कनाडा से चलाए जा रहे जबरन वसूली गिरोहों के कारण भारी नुकसान झेल रहा है और 'उत्तर अमेरिकी' देश में स्थित गैंगस्टर ड्रोन के माध्यम से पाकिस्तान से नशीले पदार्थ लाते हैं और उन्हें पूरे पंजाब में बेचते हैं। उन्होंने कहा कि इस धन का एक हिस्सा कनाडा में खालिस्तानी चरमपंथियों को जाता है।

सूत्रों ने बताया कि कनाडा में भी कई खालिस्तानी समर्थक चरमपंथी नशीले पदार्थों के कारोबार का हिस्सा हैं और पंजाब के विभिन्न गैंगस्टर के गिरोहों के बीच प्रतिद्वंद्विता अब कनाडा में आम है। उन्होंने कहा कि भारत समर्थक सिख नेता रिपुदमन सिंह मलिक की 2022 में कनाडा के सरे में हत्या कर दी गई थी और कई लोगों का कहना है कि इस हत्या के पीछे निज्जर का हाथ था, लेकिन कनाडाई एजेंसियों ने दोषियों को ढूंढने और वास्तविक साजिश का पर्दाफाश करने में कथित तौर पर कोई तत्परता नहीं दिखाई।

इस मामले में केवल ऐसे दो स्थानीय लोगों को आरोपी बनाया गया, जो भारतीय मूल के नहीं थे। उन्होंने कहा कि खालिस्तानियों को ''पीछे से बढ़ावा दिए जाने'' ने यह सुनिश्चित किया कि खालिस्तान समर्थक चरमपंथियों की ताकत और धन की शक्ति के दम पर उदारवादी और भारत समर्थक सिखों को कनाडा के कई बड़े गुरुद्वारों से बाहर निकाल दिया गया।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में हिन्दी पखवाड़े का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया दक्षिण क्षेत्रीय कार्यालय में हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय प्रमुख असीमकुमार पाल ने अपने उद्घाटन भाषण में राजभाषा हिंदी के महत्व को समझाया।

उन्होंने कहा कि बैंकों की आधिकारिक भाषा हिंदी है और हमें दैनिक कार्यों में हिंदी का प्रयोग बढ़ाने की जरूरत है जिसमें सभी की भागीदारी महत्वपूर्ण है। स्टाफ को क्षेत्रीय भाषा कन्नड़ का ज्ञान होना भी जरूरी है, तभी हम बेहतर ग्राहक सेवा दे पाएंगे।

कन्नड़ और हिंदी भाषा के माध्यम से, हम अपने बैंक के उत्पादों को ग्राहकों तक पहुंचाने और उनकी आवश्यकताओं के अनुसार सेवाएं प्रदान करने में सक्षम हैं। राजभाषा विभाग द्वारा तैयार द्विभाषी गोल्डन लोन साहित्य का भी विमोचन किया गया और पहली प्रति उपक्षेत्रीय प्रमुख रोहन कुमार सिंह को भेंट की गई। आयोजन में कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए विशेष रूप से हिंदी में अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं तथा विजेताओं को सम्मानित किया गया।

वरिष्ठ प्रबंधक नागेंद्र ने प्रबंध निदेशक के संदेश का वाचन किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ प्रबंधक, प्रशासनिक भाषा राजेश के. ने किया।

जैन कवि संगम का चतुर्थ राष्ट्रीय अधिवेशन इन्दौर में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन कवि–साहित्यकारों की प्रतिनिधि संस्था 'जैन कवि संगम' का चतुर्थ दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन 7अक्टूबर से इन्दौर शहर में आयोजित किया जा रहा है। संस्था के संरक्षक, राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेंद्रपाल जैन व राष्ट्रीय महामन्त्री जगदीप जैन 'हर्षदर्शी' ने बताया कि ढाईद्वीप जिनायतन मंदिर परिसर में आयोजित इस अधिवेशन में देश भर से जैन समाज के कवि–साहित्यकार एकत्र होंगे। विभिन्न सत्रों में देवदर्शन, खुला अधिवेशन, सम्मान समारोह, परिचय सम्मेलन, विद्वद्–संगोष्ठी, कवि सम्मलेन आदि का आयोजन होगा। संगम के कर्नाटक शाखा के प्रदेशाध्यक्ष राजेंद्र गुलेच्छा के नेतृत्व में कर्नाटक के कविगण भी इस अधिवेशन में भाग लेंगे तथा काव्य प्रस्तुतियाँ भी देंगे।

भाजपा सरकार ने अब तक 9 लाख से अधिक नौकरियां दीं: जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को कहा कि 2014 के बाद से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार ने केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में नौ लाख से अधिक लोगों की भर्तियां की हैं, जबकि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की पूर्ववर्ती सरकार के पहले नौ वर्ष के दौरान छह लाख लोगों को रोजगार दिया गया था।

सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में यहां आयोजित रोजगार मेले को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले नौ साल में न केवल नौकरियां पैदा हुई हैं बल्कि प्रधानमंत्री ने युवाओं में इस बात को लेकर जागरूकता भी पैदा की है कि रोजगार का मतलब केवल सरकारी नौकरियां नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि इसी लिए स्टार्ट–अप की संख्या लगभग 350–400 से बढ़कर 1.25 लाख हो गई है। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''आपने (प्रधानमंत्री ने) अंतरिक्ष क्षेत्र को भी खोल दिया है और (इस क्षेत्र में) स्टार्ट अप की संख्या चार से बढ़कर 150 हो गई है। विशेष रूप से, चंद्रयान –3 की सफलता के बाद अंतरिक्ष क्षेत्र में युवाओं के बीच जबरदस्त रुचि देखी गई है।'' सिंह ने कहा कि राजग के कार्यकाल में रोजगार और पदोन्नति में काफी बढ़ोतरी हुई है। मंत्री ने कहा, ''संप्रग की सरकार के पहले नौ वर्ष में मुश्किल से छह लाख सरकारी नौकरियां पैदा हुईं। आपके (प्रधानमंत्री मोदी के) कार्यकाल में नौ लाख से अधिक पदों पर भर्तियां की गई हैं।'' उन्होंने कहा कि संप्रग के शासन में कुछ लोग उसी पद से सेवानिवृत्त हो जाते थे, जिस पद पर उनकी भर्ती हुई थी, जिससे वे हतोत्साहित थे।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने बड़े पैमाने पर पदोन्नति की। रोजगार मेला मंगलवार को देशभर में 46 स्थानों पर आयोजित किया गया और प्रधानमंत्री मोदी ने पूरे भारत में लगभग 51,000 नियुक्ति पत्र वितरित किए।

कांग्रेस सरकार ने पांच साल में छत्तीसगढ़ को अंधेरे में धकेला: लेखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने मंगलवार को छत्तीसगढ़ में सत्तारूढ़ दल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले पांच वर्ष में भूपेश बघेल सरकार ने राज्य को केवल लूटा है और इसे अंधेरे में धकेल दिया है। भाजपा की परिवर्तन यात्रा के दौरान छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने सोमवार को जिले में एक कार्यक्रम के दौरान उस टिप्पणी के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना की, जिसमें उन्होंने भाजपा पर उद्योगपति गौतम अडानी का पक्ष लेने का आरोप लगाया था।

लेखी ने कहा, भाजपा के परिवर्तन की चमक यहां महसूस की जा सकती है क्योंकि पूरे राज्य में अंधेरा है। 15 वर्ष की भाजपा सरकार में इस राज्य ने जो कमाया था, उसे कांग्रेस ने पांच साल में लूट लिया। लेखी ने कहा, छत्तीसगढ़ जो भाजपा शासन के दौरान सुशासन के लिए जाना जाता था, अब उसकी पहचान 'अपराध अड्डे' के रूप में की जाती है। उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 'लबरा' (झूठा) और 'बबड़ा' (जोर से बोलने वाला) करार दिया और उन पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया। लेखी ने कहा, एक लबरा और उसका दोस्त बबड़ा हैं जो कल (राहुल गांधी का जिक्र करते हुए) आए थे। उन्होंने कहा कि एक बटन दबाते ही किसानों के खातों में पैसा पहुंच जाएगा। छत्तीसगढ़ की जनता भोली–भाली है लेकिन अज्ञानी नहीं। वे अच्छी तरह से जानते हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार किसानों को किसान सम्मान निधि दे रही है। इससे पहले किसी भी सरकार ने किसान सम्मान निधि नहीं दी थी। केंद्रीय मंत्री ने कहा, उन्होंने (छत्तीसगढ़ को) खोखला कर दिया और अपना खाता भर लिया। 70 साल में उन्होंने छत्तीसगढ़ ही नहीं, कई राज्यों और देश को

खोखला कर दिया। लबरा और बबडा दोनों झूठ बोलते हैं। सोमवार को बिलासपुर जिले के तखतपुर इलाके में कांग्रेस सरकार के एक कार्यक्रम के दौरान गांधी ने कहा था कि (छत्तीसगढ़ में) जब कांग्रेस रिमोट का बटन दबाती है तो किसानों को न्याय योजना के माध्यम से उनके खातों में पैसा मिलता है और अंग्रेजी माध्यम के स्कूल खुल जाते हैं, लेकिन जब भाजपा रिमोट दबाती है, तो सार्वजनिक क्षेत्र का निजीकरण हो जाता है और जल–जंगल–जमीन अडानी के पास चली जाती है।

लेखी ने राज्य में कथित घोटालों को लेकर बघेल सरकार पर निशाना साधा और कहा कि कांग्रेस सरकार ने 'गोबर' (राज्य सरकार की गोबर खरीद योजना का जिक्र करते हुए) को भी नहीं बख्शा और इसमें भ्रष्टाचार किया। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत राज्य का हिस्सा जारी न कर गरीबों के घर छीनने का भी आरोप लगाया।

मप्र विधानसभा चुनाव लड़ने के सवाल पर सिंधिया बोले,''मैं भाजपा का कार्यकर्ता मात्र हूं''

इंदौर/भाषा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मध्यप्रदेश के आगामी विधानसभा चुनावों में उनकी उम्मीदवारी की संभावना पर मंगलवार को कहा कि वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ता मात्र हैं। सिंधिया ने इंदौर में संवाददाताओं के सवाल पर यह संक्षिप्त प्रतिक्रिया ऐसे वक्त दी, जब सत्तारूढ़ भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल में उनके तीन सहयोगियों–नरेंद्र सिंह तोमर, प्रहलाद सिंह पटेल और फग्गन सिंह कुलस्ते को सूबे में नवंबर के दौरान संभावित विधानसभा चुनावों का उम्मीदवार घोषित कर दिया है। विधानसभा चुनावों में इन वरिष्ठ नेताओं की उम्मीदवारी के बारे में पूछे जाने पर सिंधिया ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है और हरेक कार्यकर्ता पार्टी की दी गई प्रत्येक जिम्मेदारी को अपना धर्म मानकर निभाता है। कांग्रेस का दावा है कि भारतीय जनता पार्टी ने अपने वरिष्ठ नेताओं को चुनावी मैदान में इसलिए उतारा है क्योंकि वह अपनी हार के अहसास से घबरा गई है।

सिप्ला हिमाचल प्रदेश में ड्रोन से पहुंचाएगी दवाएं

नई दिल्ली/भाषा। औषधि बनाने वाली कंपनी सिप्ला ने हिमाचल प्रदेश के अस्पतालों और दवा दुकानों में महत्वपूर्ण दवाएं तुरंत पहुंचाने के लिये ड्रोन आधारित डिलिवरी सेवा शुरू की है। इसके लिये कंपनी ने स्काई एयर मोबिलिटी के साथ भागीदारी की है। मुंबई की कंपनी का लक्ष्य इस पहल के तहत हृदय, श्वसन और अन्य गंभीर बीमारियों के उपचार के लिये दवाओं की डिलिवरी करना है। सिप्ला ने मंगलवार को बयान में कहा कि ड्रोन के इस्तेमाल से दूरदराज के इलाकों में दवा दुकानदारों और क्लीनिक को दवाओं की समय पर डिलिवरी में मदद मिलेगी। इससे दवाओं की आपूर्ति में देरी और ठंडी जगह रखी जाने वाले औषधियों को लेकर समस्या दूर होगी। इसके तहत उत्तराखंड और पूर्वोत्तर क्षेत्र के दुर्गम तथा पहाड़ी इलाकों तक दवाओं की आपूर्ति की जाएगी।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में गिरावट के बीच आगे बढ़ रहा है भारत : साहनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उद्योगपति निखिल साहनी ने कहा है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में गिरावट के बीच भारत वृद्धि दर्ज कर रहा है और देश 'मनोवैज्ञानिक रूप से महत्वपूर्ण' 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल करने के करीब है। सरकार ने आगामी वर्षों में भारत को 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है।

त्रिवेणी टर्बाइन के वाइस चेयरमैन और प्रबंध निदेशक साहनी ने एआईएमए के सत्र को संबोधित करते हुए कहा, ''यह भारत की सदी है और आंकड़े देश के लिए एक शानदार भविष्य की ओर इशारा करते हैं।'' भारत के पास एक अरब उपभोक्ताओं का मजबूत आधार है और देश पहले ही दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और जल्द तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। उन्होंने कहा, ''भारत का जीडीपी 4,000 अरब अमेरिकी डॉलर के करीब है। जल्द भारत 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था 2026 तक 1,000 अरब डॉलर की होगी।'' साहनी एआईएमए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष भी हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे समय जबकि वैश्विक अर्थव्यवस्था नीचे आ रही है, भारत 6.5 प्रतिशत वृद्धि दर्ज करने के लिए तैयार है। उन्होंने उद्योग जगत के लोगों से 'बड़ा सोचने और बड़े सपने देखने' को कहा। साहनी ने कहा, '' यह हमारी उम्मीदों और प्रदर्शन को बढ़ाने का समय है। यह भारत को सर्वश्रेष्ठ देशों में से एक बनाने और भारतीयों को दुनिया के सबसे अच्छे लोगों में से एक बनाने के लिए सब कुछ एक साथ लाने का समय है।''

ग्राहकों से दुकानदारों को डिजिटल भुगतान में यूपीआई का इस्तेमाल बढ़ा: रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एकीकृत भुगतान प्रणाली यूपीआई के जरिये डिजिटल भुगतान की संख्या अगस्त में कई गुना बढ़कर 10 अरब होने के पीछे ग्राहकों से दुकानदारों (पी2एम) को किए जाने वाले लेनदेन में आई तेजी की अहम भूमिका रही है। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

वर्ल्डलाइन की रिपोर्ट कहती है कि जनवरी, 2018 में यूपीआई से 15.1 करोड़ लेनदेन किए गए थे और यह संख्या जून, 2023 में बढ़कर 9.3 अरब हो गई थी। अगस्त में यह आंकड़ा 10 अरब के पार पहुंच गया। इसके पीछे पी2एम लेनदेन में हुई जबर्दस्त तेजी का अहम योगदान रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी 2022 में पी2एम का हिस्सा कुल यूपीआई लेनदेन में 40.3 प्रतिशत था। डेढ़ साल में यह अनुपात बढ़कर जून, 2023 में 57.5 प्रतिशत हो गया। इस अनुपात के आगे भी बढ़ने का अनुमान है। इसके अलावा यूपीआई लेनदेन से भेजी जाने वाली औसत राशि का आकार भी भविष्य में इसके विस्तार का संकेत देता है। जनवरी, 2022 में यूपीआई से पी2एम लेनदेन का औसत आकार 885 रुपये था जो जून, 2023 में घटकर 653 रुपये रह गया।

इससे पता चलता है कि अब लोग कम राशि का लेनदेन भी यूपीआई के जरिये करना पसंद कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, राजमार्गों पर इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह के इस्तेमाल ने टोल भुगतान के तरीके को काफी हद तक बदल दिया है। इस भुगतान में भी यूपीआई लेनदेन का प्रमुख रूप से इस्तेमाल हो रहा है।

प्रधानमंत्री की दृढ़ इच्छाशक्ति से ऐतिहासिक महिला आरक्षण विधेयक पारित हुआ : केंद्रीय मंत्री

जम्मू/भाषा। महिला आरक्षण विधेयक पर कांग्रेस की आलोचना के बीच केंद्रीय मंत्री सोम प्रकाश ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण पिछले सप्ताह संसद के दोनों सदनों में यह विधेयक पारित हुआ। कांग्रेस ने सवाल किया है कि महिला आरक्षण को 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए लागू क्यों नहीं किया जा रहा है। विपक्षी दल ने दावा किया है कि महिला आरक्षण विधेयक लाना भाजपा सरकार का ''राजनीति से प्रेरित कदम'' और एक ''जुमला'' है। केंद्रीय मंत्री ने यहां आयोजित 'रोजगार मेला' से इतर संवाददाताओं से कहा, ''नई संसद में पहले दिन महिला आरक्षण विधेयक पारित होना एक ऐतिहासिक क्षण रहा। सभी दलों ने विधेयक का समर्थन किया और आलोचना करने के लिए कुछ भी नहीं बचा है।'' वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री ने कहा कि यह विधेयक बहुत लंबे समय से लंबित था और यह मोदी की ''दृढ़ इच्छाशक्ति'' के कारण पारित हुआ। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित करने के विधेयक को पिछले सप्ताह दोनों सदनों से मंजूरी मिल गई। हालांकि, परिसीमन और जनगणना के बाद ही विधेयक लागू हो सकेगा।

'जम्मू-कश्मीर में शेष आतंकवाद व मादक पदार्थों के खतरे को समाप्त करने के प्रयास जारी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) दिलबाग सिंह ने मंगलवार को जोर दिया कि जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद अपने सबसे निचले स्तर पर है और केंद्रशासित प्रदेश से शेष आतंकवाद एवं मादक पदार्थों के खतरे को समाप्त करने के प्रयास जारी हैं। सिंह ने कहा कि करीब एक पखवाड़ा पहले दक्षिण कश्मीर के कोकेरनाग में आतंकवाद विरोधी अभियान सफल था और मुठभेड़ के बाद घाटी के शांतिपूर्ण माहौल में कोई परिवर्तन नहीं आया है। उन्होंने रियासी जिले के कटरा में संवाददाताओं से कहा, ''लोगों के योगदान से (जम्मू–कश्मीर में) आतंकवाद अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। पुलिस और अन्य सुरक्षा बल, जिनका (आतंकवाद पर काबू पाने में) खासा योगदान है, इसे खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और इस दिशा में प्रयास जारी हैं।''

इस मौके पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (जम्मू) मुकेश सिंह भी उनके साथ थे। डीजीपी सिंह ने माता वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले तीर्थयात्रियों के लिए आधार शिविर कटरा में नवनिर्मित 'मॉड्यूलर' थाना लोगों को समर्पित किया। उन्होंने कहा, कोकेरनाग मुठभेड़ से पहले या बाद में, स्थिति शांतिपूर्ण बनी हुई है। लोगों को गलतफहमी है कि कहीं कोई घटना हुई और तूफान आ जाएगा।

बेरोजगारी, भुखमरी और भ्रष्टाचार आजादी से पहले भी था और आज भी हैं: बीरेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जींद/भाषा। पूर्व केंद्रीय इस्पात मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह ने मंगलवार को कहा कि भारत की आजादी से पहले देश में भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और भुखमरी थी और आजादी के बाद भी देश के यही हालात हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से नाराज बताए जा रहे सिंह ने कहा कि युवा देश को छोड़कर विदेश में नौकरी करने जा रहे हैं जो कि विकट समस्या है। उन्होंने जुलाना की ब्राह्मण धर्मशाला में पहुंचकर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। सिंह ने कहा कि दो अक्टूबर को जींद में 'मेरी आवाज सुनो रैली' का आयोजन किया जा रहा हैं, जिसका न्योता देने के लिए वह यहां आए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, इनेलो जैसी पार्टियों ने क्षेत्र के लोगों का इस्तेमाल करके प्रदेश में राज किया है। उन्होंने कहा कि ये दल सत्ता से पहले लोगों से बड़े बड़े वादे करते हैं, सत्ता हाथ लगते ही उन्हें जनता से किए वादे जुमले नजर आने लगते हैं।

स्टार्टअप कंपनियों में निवेश मूल्यांकन को लेकर नए 'एंजल कर' नियम अधिसूचित

नई दिल्ली/भाषा। आयकर विभाग ने गैर–सूचीबद्ध स्टार्टअप कंपनियों की तरफ से निवासी एवं अनिवासी निवेशकों को जारी किए जाने वाले शेयरों के मूल्यांकन से संबंधित नए एंजल कर नियम अधिसूचित किए हैं। एक स्टार्टअप कंपनी के शेयरों की बिक्री से उचित बाजार मूल्य से मिलने वाली पूंजी पर वसूला जाने वाले कर को एंजल कर कहा जाता है। पहले एंजल कर सिर्फ स्थानीय निवेशकों पर ही लगता था लेकिन चालू वित्त वर्ष के बजट में इसका दायरा बढ़ाकर विदेशी निवेशकों पर भी एंजल कर लगाने का प्रावधान किया गया था। बजट प्रस्ताव के मुताबिक, अधिशेष प्रीमियम को 'स्रोतों से आय' माना जाएगा और उस पर 30 प्रतिशत तक कर लगेगा। हालांकि उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के पास पंजीकृत स्टार्टअप को नए मानकों से राहत दी गई है। सीबीडीटी ने सोमवार को जारी एक अधिसूचना में निवेशकों को जारी होने वाले शेयरों के मूल्यांकन की पद्धति का ब्योरा दिया है।

गेहूं के 60 प्रतिशत रकबे में जलवायु-प्रतिरोधी किस्मों की खेती का लक्ष्य: कृषि सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अल नीनो जैसी परिस्थितियों के बीच सरकार ने अगले महीने से शुरू होने वाले रबी सत्र में गेहूं की बुवाई के कुल रकबे के 60 प्रतिशत हिस्से में जलवायु–प्रतिरोधी किस्मों की खेती करने का लक्ष्य रखा है। केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बावजूद 2023–24 के रबी सत्र में 11.4 करोड़ टन की रिकॉर्ड गेहूं पैदावार का लक्ष्य रखा है। एक साल पहले की समान अवधि में गेहूं का वास्तविक उत्पादन 11.27 करोड़ टन रहा था। रबी सत्र की मुख्य फसल गेहूं की बुवाई अक्टूबर में शुरू होती है और इसकी कटाई मार्च एवं अप्रैल में होती है।

केंद्रीय कृषि सचिव मनोज आहूजा ने रबी फसलों की बुवाई की रणनीति तैयार करने के लिए आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन में कहा, ''जलवायु पारिस्थितिकी में कुछ बदलाव हुए हैं जो कृषि को प्रभावित कर रहे हैं। ऐसे में हमारी रणनीति जलवायु–प्रतिरोधी बीजों के इस्तेमाल की है।''

सरकार ने 2021 में जल्द गर्मी आने से गेहूं की पैदावार पर पड़े असर को देखते हुए 2022 में किसानों को 47 प्रतिशत गेहूं रकबे में गर्मी को झेल पाने वाली किस्मों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया था। देश में गेहूं की पैदावार का कुल रकबा तीन करोड़ हेक्टेयर है।

आहूजा ने इस कार्यक्रम से इतर पीटीआई–भाषा से कहा, ''हम इस साल गर्मी झेल सकने वाली गेहूं की किस्मों की उपज वाले रकबे का दायरा बढ़ाकर कुल रकबे का 60 प्रतिशत करने का लक्ष्य बना रहे हैं।''

कृषि सचिव ने कार्यक्रम में कहा कि देश में 800 से अधिक जलवायु–प्रतिरोधी किस्में उपलब्ध हैं। इन बीजों को 'सीड रोलिंग' योजना के तहत बीज श्रृंखला में डालने की जरूरत है। उन्होंने राज्यों से कहा कि वे किसानों को गर्मी–प्रतिरोधी किस्में उगाने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा, ''मैं सभी राज्यों से विशिष्ट क्षेत्रों को चिह्नित करने और उगाई जा सकने वाली किस्मों का नक्शा तैयार करने का अनुरोध करता हूं।'' उन्होंने राज्यों को जलवायु की परिपाटी में आ रहे बदलावों से निपटने के लिए तैयार रहने का आह्वान करते हुए कहा, ''अगर बारिश, तापमान एवं विविधता का तरीका बदलता रहा तो इसका असर कृषि पर भी पड़ेगा।''

भारत दुनिया के सबसे प्रतिस्पर्धी विमानन बाजारों में से एक : इंडिगो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने कहा है कि भारत दुनिया के सबसे प्रतिस्पर्धी विमानन बाजारों में से एक है। उन्होंने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में अखिल भारतीय प्रबंधन संघ (एआईएमए) के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय बाजार में काफी प्रतिस्पर्धा है। इंडिगो 63 प्रतिशत से अधिक की हिस्सेदारी के साथ घरेलू बाजार में सबसे बड़ी विमानन कंपनी है। इसके अलावा एयरलाइन अपने अंतरराष्ट्रीय परिचालन का भी विस्तार कर रही है। एयरलाइन 32 अंतरराष्ट्रीय और 81 घरेलू गंतव्यों को जोड़ती है।

एल्बर्स के अनुसार, भारत एक अविश्वसनीय और दुनिया के सबसे प्रतिस्पर्धी विमानन बाजारों में से है। उन्होंने कहा कि इंडिगो 'परिपक्वता के चरण' से गुजर रही है। उन्होंने भारत में विमानन केंद्र बनाने की जरूरत पर जोर दिया।

कावेरी का पानी छोड़े जाने के खिलाफ

बेंगलूरु में आहूत बंद को मिली अच्छी प्रतिक्रिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कावेरी नदी जल विवाद को लेकर विभिन्न संगठनों द्वारा आहूत 'बेंगलूरु बंद' को मंगलवार को अच्छी प्रतिक्रिया मिली और वहीं अधिकतर सार्वजनिक सेवाएं सामान्य रूप से संचालित हुईं। तमिलनाडु के लिए कावेरी नदी का पानी छोड़े जाने के खिलाफ किसानों और कन्नड़ संगठनों ने मंगलवार को 'बेंगलूरु बंद' का आह्वान किया था। इस बंद को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल-एस(जद-एस) ने समर्थन दिया है। इस बंद के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ और लोगों की आवाजाही अपेक्षाकृत कम नजर आई। किसान नेता कुरुबुरु शांताकुमार के नेतृत्व में, किसान संघों और अन्य घटकों के एक प्रमुख संगठन 'कर्नाटक जल संरक्षण समिति' ने मंगलवार को सुबह छह बजे से शाम छह बजे तक बेंगलूरु बंद का आह्वान किया है।

'टाउन हॉल' की ओर विरोध मार्च निकालने की कोशिश कर रहे शांताकुमार और 'कर्नाटक जल संरक्षण समिति' के अन्य नेताओं को पुलिस ने मैसूरु बैंक सर्कल में हिरासत में ले लिया। टाउन हॉल में विरोध प्रदर्शन के लिए एकत्र हुए कन्नड़ संगठनों के कई कार्यकर्ताओं को भी पुलिस ने वहां से हटा दिया। किसान नेताओं और कन्नड़ कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन और बंद के खिलाफ कथित तौर पर पुलिस बल का इस्तेमाल करने के लिए सरकार की आलोचना की।

पुलिस ने कुरुबर शांतकुमार, 'आप' मुख्यमंत्री चन्द्रू, जयनगर के विधायक केसी राममूर्ति आदि को मैसूरु बैंक सर्कल के पास से वहीं राजभवन के पास से वाटाल नागराज, सारा गोविन्द, एनएन मूर्ति, के आर कुमार, गिरीश गौड़ा, पार्थ सारथी आदि को गिरफ्तार किया। बाद में सभी कार्यकर्ताओं को छोड़ दिया या। शहर की पुलिस ने इन प्रदर्शनों के दौरान

29 को अखिल कर्नाटक बंद का आह्वान

हो सकने वाली हिंसा की घटनाओं से निपटने के लिए पर्याप्त सुरक्षा प्रबंध किए हैं। करीब 100 पलटन तैनात की गई हैं। बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने बताया कि बंद के मद्देनजर सोमवार आधी रात से मंगलवार आधी रात तक शहर भर में आपराधिक दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू की गई है। उन्होंने कहा कि मौजूदा प्रतिबंधों और अदालत के आदेशों के अनुसार, शहर में किसी भी बंद या जुलूस की अनुमति नहीं है। दयानंद ने कहा, बल प्रयोग के जरिए कोई भी बंद को जबरन लागू नहीं करा सकता है। बंद केवल उन्हीं मामलों में संभव है, जब कोई स्वेच्छा से इसे लागू करना चाहता हो।

कार्यकर्ता वाटाल नागराज के नेतृत्व में कन्नड़ समूहों के प्रमुख संगठन 'कन्नड़ ओक्कुटा' के बैनर तले 29 सितंबर को कर्नाटक बंद की घोषणा की गई है। वे आज के बंद का समर्थन नहीं कर रहे हैं। बेंगलूरु शहरी जिले के उपायुक्त दयानंद के. ए. ने बंद के मद्देनजर मंगलवार को शहर के सभी स्कूल और कॉलेज में छुट्टी की घोषणा की है। कैब सेवाएं, ऑटो और होटल/रेस्तरां सेवाएं सामान्य रूप से उपलब्ध हैं, लेकिन वाहन चालकों और होटल संचालकों ने कहा कि बहुत अधिक लोग घरों से बाहर नहीं निकल रहे।

'बेंगलूरु मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन' (बीएमटीसी) की बस और मेट्रो रेल सेवाओं की भी यही स्थिति है। बस में और मेट्रो स्टेशन पर भीड़ अपेक्षाकृत कम देखी गई। ओला-उबर चालक संघ और होटल मालिक संघ ने कहा है कि आज उनकी सेवाएं सामान्य रहेंगी। उन्होंने कन्नड़ समर्थक संगठनों द्वारा बुलाए गए 29 सितंबर के कर्नाटक बंद को समर्थन देते हुए कहा कि वे वित्तीय कठिनाइयों के बीच दो दिन काम का नुकसान नहीं कर सकते।

आईटी (सूचना प्रौद्योगिकी) क्षेत्र की कंपनियों सहित अधिकतर निजी कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को घर से काम करने के लिए कहा है। शहर के कुछ मॉल को बंद रखने का फैसला किया गया है। कई दुकानें और प्रतिष्ठान भी सुबह सामान्य दिनों की तरह काम करते दिखाई नहीं दिए। भाजपा और जद-एस ने आज के बंद का समर्थन किया और घोषणा की है कि वे प्रदर्शन में हिस्सा लेंगे। इन दोनों दलों ने कावेरी जल विवाद मामले में मुख्यमंत्री सिद्दरामैया नीत कांग्रेस सरकार की आलोचना की है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने सोमवार को प्रदर्शन तेज होने के बीच कहा था कि उनकी सरकार प्रदर्शनकारियों को नहीं रोकेगी, लेकिन उन्होंने शांति बनाए रखने की महत्ता को रेखांकित किया। उच्चतम न्यायालय द्वारा कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण और विनियमन समिति के आदेशों में हस्तक्षेप करने से इनकार करने के बाद कर्नाटक के विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शन जारी है। इन आदेशों में कर्नाटक को पड़ोसी तमिलनाडु को 5,000 क्यूसेक पानी छोड़ने का निर्देश दिया गया था।

किसान संगठन और कन्नड़ समर्थक संगठन कावेरी बेसिन जिलों मैसूर, मंड्या, चामराजनगर, रामनगर, बेंगलूरु और राज्य के अन्य हिस्सों में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। वे राज्य सरकार से पड़ोसी राज्य के लिए पानी नहीं छोड़ने का आग्रह कर रहे हैं। कर्नाटक का कहना है कि वह जल छोड़ने की स्थिति में नहीं है, क्योंकि मानसून में कम बारिश के कारण पानी की कमी है तथा कावेरी बेसिन इलाकों में खड़ी फसल की सिंचाई और पेयजल संबंधी आवश्यकताओं के कारण उसे स्वयं इसकी जरूरत है।

बीस प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया, पुलिस पर ज्यादती का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तमिलनाडु को कावेरी नदी का पानी छोड़े जाने के खिलाफ विरोध मार्च निकालने का प्रयास करने पर कर्नाटक पुलिस ने मंगलवार सुबह यहां 20 से अधिक लोगों को हिरासत में ले लिया। उन पर धारा 144 के आदेशों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया है। गन्ना उत्पादक संघ के अध्यक्ष और जल संरक्षण समिति के प्रमुख नेताओं में से एक कुरुबुरु शांताकुमार विरोध-प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे थे। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस ने रात में भी एहतियात के तौर पर 50 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया था। सुबह की घोषणा के अनुसार, आंदोलनकारी केंद्रीय व्यापार जिले में मैसूरु बैंक सर्कल जंक्शन पर एकत्र हुए। वे विरोध मार्च में हिस्सा लेने की योजना बना रहे थे, लेकिन तभी पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

कुरुबुरु शांताकुमार ने पुलिस कार्रवाई के खिलाफ आक्रोश जताते हुये कहा, तमिलनाडु में जब राज्य के हित की बात आती है, तो वे प्रदर्शनकारियों के साथ खड़े होंगे। जल्लीकट्टू के मुद्दे पर तमिलनाडु पुलिस ने आंदोलन का समर्थन किया। लेकिन, कर्नाटक में पुलिस दमनकारी कदम उठा रही है।

कुरुबुरु शांताकुमार ने कहा कि पुलिस प्रदर्शनकारियों को परेशान कर रही है। उन्होंने पुलिस से पूछा, अगर वे अपने घरों में जाएंगे तो उनके पास पीने के लिए पानी नहीं होगा तो वे क्या करेंगे? कुरुबुरु ने कहा, बंद सफल है और सभी ने अपना समर्थन दिया है। हमारा आंदोलन जारी रहेगा। राज्य के किसान देख रहे हैं कि क्या हो रहा है। पूरे राज्य में संदेश जाएगा कि यहां क्या हो रहा है। उन्होंने चेतावनी देते हुये कहा कि पुलिस को सावधान रहना चाहिए। पुलिस ने मैसूरु बैंक सर्कल के पास एकत्र हुए आंदोलनकारियों के समूह को तितर-बितर कर दिया। आंदोलनकारियों ने पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उन्होंने पुलिस से बहस की और उन्हें ड्यूटी से छुट्टी लेकर विरोध-प्रदर्शन में भाग लेने के लिए कहा। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस से बार-बार पूछा कि क्या उन्हें पानी नहीं चाहिए?

'तमिलनाडु की मांग के अनुसार कावेरी से 12,500 क्यूसेक पानी नहीं छोड़ेंगे'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि राज्य तमिलनाडु द्वारा मांगा गया पानी जारी करने की स्थिति में नहीं है। हमारे पास पानी नहीं है और हम इसे छोड़ेंगे नहीं। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने अपने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए कहा, ''तमिलनाडु को 12,500 क्यूसेक पानी छोड़ना संभव नहीं है। हम तर्क दे रहे हैं कि 5,000 क्यूसेक पानी छोड़ना भी संभव नहीं है। हम इसे जारी नहीं करेंगे और यह असंभव है।''

हम अपील कर रहे हैं और देखते हैं कि इस संबंध में क्या निर्णय लिया जाएगा। कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) की बैठक चल रही है। तमिलनाडु 12,500 क्यूसेक पानी की मांग कर रहा है। हम ऐसी स्थिति में हैं जहां हम 5,000 क्यूसेक भी नहीं छोड़ सकें। शिवकुमार ने आगे कहा कि बांधों में पानी के आउटफ्लो और इनफ्लो की जानकारी छिपाना संभव नहीं है। दोनों राज्यों के अधिकारी इसकी निगरानी करते हैं। राज्य सरकार इसका प्रबंधन नहीं कर सकती क्योंकि यह कावेरी जल नियामक समिति (सीडब्ल्यूआरसी) द्वारा किया जा रहा है। इसलिए, कर्नाटक या तमिलनाडु पानी के प्रवाह पर झूठ नहीं बोल सकते। अगर हम झूठ बोलते हैं, तो वे वास्तविक आंकड़े और तकनीकी विवरण पेश करेंगे। वे हमारी बात नहीं सुनेंगे। बेंगलूरु और उसके आसपास बारिश के कारण जल स्तर बढ़ गया है। शिवकुमार ने एचडी कुमारस्वामी के बयान 'कांग्रेस सरकार तमिलनाडु डीएमके सरकार की 'बी-टीम है' पर प्रतिक्रिया दी। शिवकुमार ने पूछा, ''क्या कुमारस्वामी को पता था कि उनके पिता पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने क्या कहा था जब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे?'' उन्होंने कहा, राजनीति को अलग रखा जाए और राज्य के हितों की रक्षा की जाए।

क्या कांग्रेस सरकार-तमिलनाडु द्रमुक सरकार की 'बी टीम' है?: कुमारस्वामी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कावेरी विवाद पर आंदोलन कर रहे लोगों की गिरफ्तारी पर कड़ी आपत्ति जताते हुए पूर्व मुख्यमंत्री और जद (एस) नेता एचडी कुमारस्वामी ने मंगलवार को सत्तारूढ़ कांग्रेस की आलोचना करते हुए उन्हें तमिलनाडु में द्रमुक सरकार की बी-टीम बताया। एचडी कुमारस्वामी ने पत्रकारों से बात करते हुए तमिलनाडु को कावेरी का पानी छोड़े जाने की निंदा करते हुए राज्य में विरोध प्रदर्शन कर रहे संगठनों के नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की। कुमारस्वामी ने पूछा, क्या यह कर्नाटक के लोगों की सरकार है, या तमिलनाडु द्रमुक सरकार और मुख्यमंत्री एमके. स्टालिन के लिए काम कर रही है? कर्नाटक के लोगों ने किसे वोट दिया? जिन कार्यकर्ताओं और किसानों को गिरफ्तार किया गया है, उन्हें तुरंत रिहा किया जाना चाहिए। बिना और समय बर्बाद किए तमिलनाडु को पानी छोड़ना बंद किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक के लोग स्पष्ट रूप से समझ गए हैं कि तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक सरकार के साथ कांग्रेस पार्टी के बीच मौन सहमति के कारण ही राज्य कावेरी संकट से गुजर रहा है।

कुमारस्वामी ने सवाल किया कि यदि कांग्रेस नेता सभी नियमों का उल्लंघन करते हुए कोविड महामारी के चरम पर मेकेदातु परियोजना की मांग को लेकर विरोध मार्च निकाल सकते हैं, तो क्या कर्नाटक के लोग कावेरी नदी के लिए विरोध प्रदर्शन नहीं कर सकते, जो उनकी जीवन रेखा है? देर रात बंद का आह्वान करने वाले प्रमुख नेताओं की गिरफ्तारी कांग्रेस सरकार की नीचता की पराकाष्ठा है। कुमारस्वामी ने यह भी घोषणा की कि वह कावेरी बंद को पूरा समर्थन दे रहे हैं। विरोध शांतिपूर्ण हो और बंद सफल हो। जद (एस) कार्यकर्ता भी बंद में सक्रिय रूप से भाग लेंगे।

भाजपा, जद (एस) कावेरी मुद्दे का राजनीतिकरण कर रहे : सिद्दरामैया

मैसूरु/दक्षिण भारत। विपक्षी दल भाजपा और जनता दल (एस) पर कावेरी विवाद का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने मंगलवार को इन आरोपों को खारिज कर दिया कि उनकी सरकार इस मुद्दे पर विफल रही है। सिद्दरामैया ने कहा कि उनकी सरकार राज्य, उसके लोगों और किसानों के हितों की रक्षा में कभी पीछे नहीं रही है। उन्होंने पड़ोसी राज्य तमिलनाडु के साथ विवाद के समाधान के रूप में जल बंटवारे के फॉर्मूले और कावेरी नदी पर मेकेदातु परियोजना के निर्माण के महत्व को दोहराया। मुख्यमंत्री ने एक सवाल के जवाब में कहा, 'यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा और जद(एस) कावेरी मुद्दे का राजनीतिकरण कर रहे हैं। वे ऐसा राज्य या इसके लोगों के हित के लिए नहीं, बल्कि राजनीतिक लाभ के लिए कर रहे हैं।' उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा कि लोकतंत्र में हर किसी को विरोध करने और बंद का आह्वान करने का अधिकार है, लेकिन अदालत ने जुलूस और बंद को प्रतिबंधित कर दिया है, इसलिए निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी कानून को अपने हाथ में न ले।

सिद्दरामैया ने कहा, 'उन्हें विरोध करने दीजिए, हम इसके खिलाफ नहीं हैं। लेकिन, इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए और राजनीतिक लाभ के लिए इसका इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। यह राज्य के हित में नहीं है।' जद (एस) नेता एच.डी. कुमारस्वामी द्वारा कांग्रेस की कर्नाटक इकाई को तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक की 'बी टीम' कहे जाने पर, सिद्दरामैया ने पूछा कि वह भाजपा (जद-एस की नयी गठबंधन सहयोगी) को क्या कहेंगे, जो हाल तक तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन में थी। उन्होंने कहा, पूर्व प्रधानमंत्री और जद (एस) प्रमुख एच.डी. देवेगौड़ा ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर कावेरी मुद्दे को सुलझाने के लिए हस्तक्षेप की मांग की है।

मंत्री ने कर्नाटक से पूरी मात्रा में पानी मिलने की उम्मीद जताई

चेन्नई। तमिलनाडु के जल संसाधन मंत्री दुरईमुरुगन ने मंगलवार को कहा कि राज्य को कर्नाटक से लगातार पानी मिल रहा है और आज राज्य को सात हजार क्यूसेक पानी मिला है। शुरुआत में कर्नाटक की ओर से प्रतिदिन 2,500 क्यूसेक पानी उपलब्ध कराया जा रहा था और बाद में इसे बढ़ाकर तीन हजार क्यूसेक प्रतिदिन कर दिया गया।

दुरईमुरुगन ने संवाददाताओं से कहा, 'हमें कावेरी से लगातार पानी मिल रहा है और उम्मीद है कि हमें पूरी मात्रा पानी मिलेगा।' उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुसार, तमिलनाडु को अभी भी 11,000 क्यूसेक पानी मिलना बाकी है।

इसके बारे में दुरईमुरुगन ने कहा कि कल तक यह पानी उपलब्ध कराये जाने की उम्मीद है।

बेंगलूरु लव जिहाद मामले में नया मोड़

पुलिस ने कहा, प्रेमी द्वारा छोड़े जाने पर महिला ने लगाए झूठे आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु लव जिहाद मामले ने अब एक नया मोड़ ले लिया है। एक महिला टेकी द्वारा अपने पूर्व प्रेमी के खिलाफ लगाया गया आरोप उसे फंसाने के लिए रचा गया नाटक निकला। पुलिस ने सोमवार को कहा कि जांच में मामले में लव जिहाद का कोई पहलू सामने नहीं आया और महिला ने अपने प्रेमी, जो जम्मू-कश्मीर का एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर है, द्वारा छोड़े जाने के बाद झूठे आरोप लगाए थे।

उन्होंने बताया कि हालांकि आरोपी के खिलाफ लव जिहाद के आरोप हटा दिए गए हैं, लेकिन बलात्कार, धोखाधड़ी और आपराधिक धमकी के आरोपों की जांच की जाएगी। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि बेंगलूरु की शिकायतकर्ता महिला और कश्मीर के आरोपी का दो साल पहले ब्रेकअप हो गया था। हाल ही में उस शख्स की दूसरी लड़की से सगाई हो गई।

पुलिस ने कहा कि इसे स्वीकार करने में असमर्थ महिला, जो उससे पांच साल बड़ी है, ने उसके खिलाफ लव जिहाद के आरोप लगाए थे। महिला टेकी की शिकायत के बाद पुलिस ने पिछले सप्ताह जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर के जकुरा से 32 वर्षीय मोजीफ अशरफ बेग को गिरफ्तार किया था। उसे बलात्कार, अप्राकृतिक यौन संबंध, आपराधिक धमकी और धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। महिला सॉफ्टवेयर पेशेवर ने दावा किया था कि जिस व्यक्ति के साथ वह रिश्ते में थी, उसने उस पर इस्लाम अपनाने के लिए दबाव डाला। उसने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी ने उससे शादी करने का वादा करने के बाद लव जिहाद के तहत उसका यौन शोषण किया।

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए आरोपी मोजीफ अशरफ बेग को पकड़ने के लिए पुलिस की एक विशेष टीम जम्मू-कश्मीर भेजी गई, जो पहले बेंगलूरु के इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी के शिकारीपाल्या में रहता था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी की मुलाकात शिकारीपाल्या में शिकायतकर्ता से हुई और उसने उससे दोस्ती कर ली। जल्द ही, वे एक-दूसरे को पसंद करने लगे और रिलेशनशिप में आ गए। महिला ने दावा किया कि बेग ने उससे शादी करने का वादा किया, जिसके बाद वे शारीरिक रूप से अंतरंग हो गए। बेग ने वादा किया था कि वह बिना किसी धार्मिक परंपरा के उससे कोर्ट में शादी करेगा। उसने दावा किया कि शारीरिक अंतरंगता के बाद, आरोपी ने उस पर इस्लाम अपनाने के लिए दबाव डालना शुरू कर दिया। महिला ने ऐसा करने से इनकार कर दिया और जोर देकर कहा कि वह अपने पहले के रुख पर कायम रहे। उसने यह भी दावा किया कि बेग के भाई मोरिफ अशरफ ने उसे फोन किया और जान से मारने की धमकी दी।

बेंगलूरु, दिल्ली-एनसीआर एशिया-प्रशांत के 10 तेज लॉजिस्टिक्स बाजारों में : नाइट फ्रैंक

मुंबई। नाइट फ्रैंक की वर्ष 2023 की पहली छमाही की एशिया-पैसिफिक लॉजिस्टिक्स हाइलाइट रिपोर्ट के अनुसार एशिया-प्रशांत (एपीएसी) लॉजिस्टिक्स बाजार में किरायों में साल-दर-साल 10.4 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। रिपोर्ट में शामिल 17 शहरों में से 15 में किराए एक साल पहले से ऊंचे हुए। प्रमुख भारतीय शहर बेंगलूरु और दिल्ली-एनसीआर इस वर्ष पहली छमाही में वेयरहाउसिंग किराया वृद्धि के मामले में एशिया-प्रशांत क्षेत्र के शीर्ष 10 बाजारों में बने रहे। सूची में मुंबई 11वें स्थान पर है।

मस्जिद परिसर में 'जय श्री राम' के नारे लगाने पर दो लोग गिरफ्तार

मंगलूरु। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले के कदबा तालुक में एक मस्जिद परिसर में कथित तौर पर घुसने और 'जय श्री राम' के नारे लगाने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना सं. 27/2023 दिनांक: 22.09.2023
अधोहस्ताक्षरी, भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं:
संक्षेप में विवरण: आरडीएसपी विनिर्देश संख्या ईटीआई/ओएचई/76(6/97)ए और सी स्लिप संख्या 1,3,4,5 और 6 के अनुसार निरंतर ढले तांबे के तार की छड़ों से बना हुआ हार्ड ड्रान ग्रूव्ड कॉपर कांटेक्ट वायर, जोड़ रहित, 107 वर्गमिमी।
(निविदा सं: L8236467) (मात्रा: 11.1 किलोमीटर)
बोली जमा करने की अंतिम तिथि:
16.10.2023 की 10:30 बजे तक।
विवरण के लिए लॉग ऑन करें: www.ireps.gov.in
वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक / बेंगलुरु
PUB/391/AAV/PRB/SWR/2023-24
S.W.Railways SWRRLY SWRRLY

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री के गारंटी वाले बयान पर सवाल उठाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'गारंटी' वाले बयान पर सवाल उठाते हुए मंगलवार को कहा कि अगर उनके वादों की गारंटी होती तो राजस्थान की पूर्वी नहर परियोजना (ईआरसीपी) अब तक राष्ट्रीय परियोजना घोषित हो जाती। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को जयपुर के पास दादिया में जनसभा में कहा था ''मैं जो कहता हूं, वो करके दिखाता हूं इसलिए मेरी गारंटी में दम होता है। और ये मैं सिर्फ हवा में नहीं कह रहा हूं, बल्कि बीते नौ वर्षों में मेरा ट्रैक रिकॉर्ड यही रहा है। तिवारी ने यहां मीडिया से बातचीत में कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) डूबता हुआ जहाज है क्योंकि उसके ज्यादातर सहयोगी धीरे-धीरे उससे अलग हो रहे हैं।

तिवारी ने कांग्रेस प्रदेश कार्यालय में कहा, 2018 में, उन्होंने (प्रधानमंत्री मोदी ने) 13 जिलों की प्यास बुझाने के लिए पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देने का वादा किया था। क्या काम हुआ? क्या वादा गारंटी में बदल गया? उन्होंने कहा कि जिन युवाओं को दो करोड़ नौकरी देने का वादा किया गया था, अब उनके बच्चे नौकरी ढूंढ रहे हैं।

तिवारी ने कहा कि वह प्रधानमंत्री से पूछना चाहते हैं कि अगर उनके वादे गारंटी थे तो विदेश से काला धन वापस लाने और लोगों के बैंक खातों में 15 लाख रुपये जमा करने के उनके 2014 के वादे का क्या हुआ। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में संसद में पारित महिला आरक्षण विधेयक को महिलाओं, ओबीसी और अल्पसंख्यकों के साथ महज एक धोखा करार दिया और कहा कि इसे लागू करने में एक दशक और लगेगा। तिवारी ने कहा, उन्होंने महिला आरक्षण विधेयक पेश किया था। मैंने कभी ऐसा विधेयक नहीं देखा जिस पर इसके लागू होने की तारीख न लिखी हो। उन्होंने कहा कि भाजपा एक डूबता हुआ जहाज है और उसके ज्यादातर सहयोगी उससे अलग हो रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा मैं इसे पूरी जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूं। भाजपा अब एक डूबता हुआ जहाज है और उसके सहयोगियों को इसका एहसास हो गया है। वे उससे अलग हो रहे हैं। अन्नाद्रमुक ने नाता तोड़ लिया है। चुनाव की घोषणा के बाद ऐसे और सहयोगी दल अपना तोड़ देंगे। उन्होंने आगे कहा कि सहयोगी दलों को मोदी का डर नहीं है बल्कि उन्हें ईडी, सीबीआई और आईटी का डर है। ये एजेंसियां किसी पार्टी के अग्रिम संगठन की तरह काम कर रही हैं। उन्होंने राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यों और नीतियों की सराहना की।

तिवारी ने कहा कि पिछले पांच वर्ष में कांग्रेस सरकार ने जो काम किया है, उसकी तुलना में पिछली भाजपा सरकारों ने सामूहिक रूप से कोई काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस सरकार के खिलाफ कोई सत्ता विरोधी लहर नहीं है और पार्टी इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में जीत के बाद दोबारा सरकार बनाएगी।

फाइल फोटो

आचार संहिता के दायरे में आयोजित होगा अंतराष्ट्रीय पुष्कर मेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान में अजमेर के तीर्थराज पुष्कर के विश्वविख्यात अन्तर्राष्ट्रीय पुष्कर मेला-2023 विधानसभा चुनाव की आचार संहिता के दायरे में आयोजित होगा। पुष्कर मेला 14 से 29 नवम्बर तक आयोजित होगा। ख्याति प्राप्त पुष्कर मेला दो हिस्सों में आयोजित होता है। पहला, 'पुष्कर पशु मेला तथा दूसरे 'पुष्कर धार्मिक मेला। पशु मेला 14 नवम्बर को झण्डा चौकी के साथ शुरू होगा वहीं धार्मिक मेला 23 नवम्बर से देव उठनी ग्यारस को पंचतीर्थ स्नान से शुरू होकर कार्तिक पूर्णिमा 27 नवम्बर तक चलेगा। इस बीच पुष्कर मेला मैदान पर कार्तिक शुक्ल गोपाष्टमी को प्रशासनिक कैम्प पर ध्वजारोहण होगा। 29 नवंबर को मेले का विधिवत समापन हो जायेगा।

क्ष राजस्थान विधानसभा चुनाव-2023 की आचारसंहिता अक्टूबर माह के पहले पखवाड़े में प्रभावी हो जायेगी जो मतदान तक चलेगी। इस बीच पुष्कर मेला भी भरेगा, जिस पर आचार संहिता का असर देखने को मिलेगा। सरकार की जनकल्याण योजनाओं की प्रदर्शनी अथवा लोक लुभावन कार्य मेले के दौरान नहीं हो सकेंगे। मेले के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं में भी ऐसा कोई काम सम्भव नहीं होगा, जिससे आदर्श आचारसंहिता का उल्लंघन हो। पूरा मेला निर्वाचन विभाग अधिकारियों की निगरानी में आयोजित होगा।

मुख्यमंत्री गहलोत लोगों से संवाद के लिए आज से जिलों का दौरा शुरू करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपने 'मिशन-2030' के बारे में लोगों से संवाद के लिए बुधवार से जिलों का दौरा शुरू करेंगे। इसके तहत वह पहली बैठक जयपुर में बिड़ला सभागार में करेंगे। गहलोत की यात्राओं का यह नौ दिवसीय कार्यक्रम राज्य में आदर्श आचार संहिता से पहले होने जा रहा है। राजस्थान में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री गहलोत बुधवार दोपहर 12 बजे बिड़ला सभागार में जौहरियों, रत्न व्यापारियों, ज्योतिषियों और कारीगरों से संवाद करेंगे। कार्यक्रम के अनुसार, इसके बाद वह हेलिकॉप्टर से जयपुर के चौमूं कस्बे के लिए रवाना होंगे और वहां बागवानों से संवाद करेंगे।

शाम को जयपुर लौटने से पहले गहलोत सीकर में खाटू श्याम मंदिर और चूरू में सालासर बालाजी मंदिर जाएंगे। सत्तारूढ़ कांग्रेस ने इससे पहले पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देने की मांग के लिए पूर्वी राजस्थान में पांच दिवसीय यात्रा निकालने की योजना बनाई थी। हालांकि, पार्टी सूत्रों ने बताया कि इस प्रस्तावित यात्रा को स्थगित कर दिया है जो अब आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद निकाली जाएगी।

अब राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले 'मिशन 2030' के लिए मुख्यमंत्री के जिलों के दौरे की योजना बनाई गई है। यह कार्यक्रम राज्य के उत्तरी, पश्चिमी और दक्षिणी हिस्सों को कवर करेगा। इसमें टाउन हॉल बैठकें, 'युवा संवाद', 'महिला सम्मेलन', सार्वजनिक कार्यक्रम शामिल हैं। गहलोत इस दौरान इलाके के कई प्रमुख धार्मिक स्थलों में भी जाएंगे।

एक प्रवक्ता के अनुसार, गहलोत की इन यात्राओं व संवाद का उद्देश्य जनता से जुड़ना, 'मिशन-2030' के दृष्टिकोण का प्रसार करना और लोगों की राय जानना है। 'मिशन-2030' मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का विचार है जिसके तहत 2030 तक राजस्थान को अग्रणी और मॉडल राज्य बनाने के लिए लोगों से सुझाव मांगे गए हैं। सरकार इसके लिए ऐप सहित विभिन्न माध्यमों से सुझाव जुटा रही है। अब तक 45 लाख से अधिक नागरिकों ने 74 लाख से अधिक सुझाव दिए हैं।

इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए गहलोत अब अगले नौ दिनों तक विभिन्न जिलों का दौरा करेंगे और लोगों से संवाद करेंगे। गहलोत का जयपुर, सीकर, चूरू, नागौर, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर, पाली, सिरोही, जालौर, राजसमंद, उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा और चित्तौड़गढ़ का दौरा करने का कार्यक्रम है।

राज्य सरकार श्रमिक वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध : जाटव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सार्वजनिक निर्माण मंत्री भजनलाल जाटव ने कहा कि राज्य सरकार श्रमिक वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। प्रदेश में इस दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम भी उठाये गए हैं, इसी का परिणाम है कि आज 61.70 लाख रुपए की लागत से बने श्रम कल्याण केंद्र का लोकार्पण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सिविल लाइन्स जैसे महत्वपूर्ण स्थान पर इस नवनिर्मित भवन से दूर सुदूर क्षेत्रों से राजधानी में आने वाले श्रमिकों को ठहरने की उत्तम सुविधा मिलेगी। जाटव मंगलवार को श्रम कल्याण केंद्र के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने नवनिर्मित भवन का अवलोकन करते हुए कहा कि श्रमिकों के रुकने के लिए इस भवन में सभी आवश्यक सुविधाएं मौजूद है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार श्रमिक वर्ग को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से हर संभव सहायता प्रदान कर रही है, इसी क्रम में सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित यह भवन श्रमिकों को सहूलियत प्रदान करेगा। सार्वजनिक निर्माण मंत्री ने कहा कि विभाग ने पिछले चार वर्षों में एक लाख किलोमीटर से अधिक लम्बाई की सड़कों का निर्माण किया है। जिससे देश में राजस्थान की सड़कों की प्रशंसा हर मंच पर हो रही है। उन्होंने कहा कि विभाग ने बजट घोषणाओं की क्रियान्विति में शानदार कार्य किये हैं, इसी क्रम में वर्ष 2023-24 की घोषणाओं के 94 फीसदी से अधिक कार्यों के कार्यादेश जारी किये जा चुके हैं। जाटव ने कहा कि मिशन-2030 में श्रमिकों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

सुमेधानंद ने सीकर से हैदराबाद ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीकर। राजस्थान में सांसद स्वामी सुमेधानंद सरस्वती ने मंगलवार को सीकर रेलवे स्टेशन से साप्ताहिक हैदराबाद ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर सुमेधानंद सरस्वती ने ट्रेन के पायलट का मुंह मिठा कराया और उन्हें माला पहनाई। इस मौके उन्होंने कहा कि सीकर के लोगों के लिए इस साप्ताहिक ट्रेन की सुविधा हैदराबाद तक मिलेगी। उन्होंने रेल मंत्री से मिलकर इस ट्रेन की सुविधा जिले के लोगों के लिए मांगी थी जिसे रेल मंत्री ने स्वीकार करते हुए यह सुविधा प्रदान की है। उन्होंने कहा कि यहां से काफी संख्या में लोग औरंगाबाद एवं हैदराबाद रहकर काम करते हैं, उनको इस ट्रेन से बहुत सुविधा वहां तक पहुंचने की रहेगी। सांसद ने कहा कि दक्षिण भारत तक पहुंचने के लिए सीकर से कोई ट्रेन नहीं थी जिसमें वे वहां तक जा सके। हैदराबाद के आस-पास भी बहुत से लोग व्यापार करते हैं वे इस सुविधा का लाभ ले सकेंगे।

उन्होंने कहा कि सीकर से शीघ्र ही रामेश्वर के लिए भी ट्रेन की सुविधा मिलने वाली है। उन्होंने बताया कि वह प्रयासरत हैं जिससे आगामी दिनों में और ट्रेनें लंबी दूरी की मिलने वाली है। यह ट्रेन यहां से जयपुर, अजमेर, भीलवाड़ा, चित्तौड्गढ़, उज्जैन, भोपाल, जलगांव एवं औरंगाबाद होती हुए हैदराबाद पहुंचेगी।

नई शिक्षा नीति के आलोक में पाठ्यक्रमों को अद्यतन करते हुए रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करे विश्वविद्यालय : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने मंगलवार को बांसवाड़ा में गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय के नवनिर्मित प्रवेश द्वार, संविधान उद्यान और संविधान स्तम्भ का लोकार्पण किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के अकादमिक भवन के शिलान्यास के साथ गोविन्द गुरु की प्रतिमा का भी अनावरण किया।

राज्यपाल मिश्र ने इस अवसर पर कहा कि गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय जनजातीय परंपराओं और संस्कृति से जुड़े उनके प्रकृति सरोकारों पर मौलिक शोध के लिए कार्य करे। उन्होंने कहा कि गोविंद गुरु व्यक्ति नहीं संस्था थे। वह युग प्रवर्तक ऐसे महापुरुष थे जिन्होंने अपने समय में सामाजिक जागरूकता की क्रांति का शंखनाद किया। उन्होंने गोविन्द गुरु द्वारा श्भगत पंथ' की स्थापना के साथ धार्मिक जागृति और स्वाधीनता संग्राम मे उनके योगदान को भी बहुत महत्वपूर्ण बताते हुए उनके आदर्शों से सीख लेने का आह्वान किया। राज्यपाल ने कहा कि जो समाज जितना अधिक शिक्षित होता है उसका विकास भी उतनी ही तेजी से होता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के केन्द्र मात्र ही नहीं है बल्कि यह वह स्थान है जहां विद्यार्थी ज्ञान का व्यावहारिक आलोक पाते हैं। उन्होंने नई शिक्षा नीति की चर्चा करते हुए कहा कि यह विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर केन्द्रित है। उन्होंने नई शिक्षा नीति के आलोक में पाठ्यक्रमों को अद्यतन करते हुए रोजगारपरक शिक्षा के लिए प्रयास करने पर जोर दिया। राज्यपाल ने संविधान उद्यान के निर्माण पर बधाई देते हुए कहा कि इससे देश की युवा पीढ़ी संविधान संस्कृति से जुड़ेगी। उन्होंने कहा कि संविधान उद्यान नई पीढ़ी को संविधान प्रदत्त अधिकारों के साथ कर्तव्यों की याद दिलाता रहेगा। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा आदिवासी कला और संस्कृति के संरक्षण के साथ जनजातीय परम्पराओं और भाषाओं पर शोध के लिए भी कार्य करने का आह्वान किया।

परशुराम कुंड पर लगने वाली 54 फीट प्रतिमा का शास्त्र और शस्त्र पूजन हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अरुणाचल प्रदेश की सुरम्य पहाड़ियों से भगवान परशुराम का फरसा पड़ोसी देश चीन को सीमा पर ललकारता नजर आने वाला है। अगले वर्ष 2024 जनवरी तक अयोध्या में बन रहे राम मंदिर के साथ अरुणाचल में बन रहा परशुराम तीर्थ क्षेत्र भी आम श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खुल जाएगा। इस कॉरिडोर में विप्र फाउंडेशन द्वारा स्थापित की जा रही भगवान परशुराम की 54 फीट की आदमकद प्रतिमा आकर्षण का केंद्र रहेगी। श्री परशुराम की इस आदमकद प्रतिमा का मंगलवार को राजस्थान की सीमा से सटे हरियाणा के बिलासपुर में विप्र एम फाउंडेशन की ओर से शास्त्र व शस्त्र पूजन किया गया।

शास्त्र पूजन ब्राह्मण समाज के सुभाष चंद्र भारद्वाज ने तथा शस्त्र पूजन केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने किया। 36 टन वजनी पंचधातु की बनी इस मूर्ति को परशुराम कुंड में स्थापित किया जाएगा। कार्यक्रम समन्वयक परमेश्वर शर्मा ने बताया कि विप्र फाउंडेशन के इस अनुष्ठान में केंद्रीय जल संसाधन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, सांसद रामचरण बोहरा, हरियाणा के केबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा,पूर्व शिक्षा मंत्री रामविलास शर्मा, स्थानीय विधायक सत्यप्रकाश जी, विधायक अभिनेष महर्षि, पूर्व विधायक शंकर लाल शर्मा व रतन लाल जलाधारी, पूर्व आईएएस गजानंद शर्मा, विश्व प्रसिद्ध मूर्तिकार मातुराम वर्मा, उद्योगपति अनिल शर्मा, विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राधेश्याम गुरुजी,समन्वयक श्रीकृष्ण जोशी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एस एन श्रीमाली, भुवनेश शर्मा चच्चू भैया,राष्ट्रीय महामंत्री सीए सुनील शर्मा, खड्झ-उ की राष्ट्रीय संयोजक डॉक्टर हर्षा त्रिवेदी, विप्र फाउंडेशन के संस्थापक सुशील ओझा, उमेश तिवाड़ी,नवीन जोशी, प्रमोद पालीवाल, हरियाणा के जोन अध्यक्ष कुलदीप वशिष्ठ,राजस्थान के जोन अध्यक्ष राजेश कर्नल, के के शर्मा, भंवर पुरोहित, वेद प्रकाश उपाध्याय, कृष्ण चंद्र चतुर्वेदी,अशोक राजपुरोहित टाइगर, युवा के इंदू शेखर , मनोज पांडे, नरेंद्र पालीवाल, महिला प्रकोष्ठ से भारती शर्मा सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे। डॉ हर्षा त्रिवेदी ने बताया कि विप्र फाउंडेशन की ओर से स्थापित की जा रही प्रतिमा के भूमि पूजन में देश के गृहमंत्री अमित शाह परशुराम कुंड पहुंचे थे। लोकार्पण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समय और तिथि तय करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

राजस्थान में खोले जाएंगे विभिन्न श्रेणी के ग्यारह न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश में विभिन्न श्रेणी के 11 नवीन न्यायालय खोले जाने की स्वीकृति दी है। गहलोत ने इन न्यायालयों के लिए 119 नवीन पदों के सृजन तथा न्यायालय भवन निर्माण के लिए प्रति न्यायालय 2.97 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति भी दी है। नए खोले जाने वाले न्यायालयों में खाजूवाला (बीकानेर) एवं बालेसर (जोधपुर) में अतिरिक्त जिला एवं सेशन न्यायाधीश न्यायालय, मारवाड़ जंक्शन (पाली), बागीदौरा (बांसवाड़ा), सीकरी (भरतपुर) एवं जोबनेर (जयपुर) में वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय शामिल हैं। इसके अतिरिक्त शिव (बाड़मेर), खींवसर (मेड़ता न्याय क्षेत्र), सिणधरी (बालोतरा न्याय क्षेत्र) में सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय, किशनगढ़ (अजमेर) में विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट (एन.आई. एक्ट प्रकरण) न्यायालय तथा श्रीगंगानगर में वाणिज्यिक न्यायालय शामिल हैं। सृजित किए जाने वाले 119 नवीन पदों में पीठासीन अधिकारी के 11, लिपिक ग्रेड-द्वितीय के 25, प्रोसेस सर्वर के 8, लिपिक ग्रेड-प्रथम 7, स्टेनोग्राफर ग्रेड-प्रथम के 3, स्टेनोग्राफर ग्रेड-द्वितीय एवं तृतीय के 4-4, शहरेश्तेदार ग्रेड-प्रथम के 2, शहरेश्तेदार ग्रेड-द्वितीय एवं तृतीय के 4-4, रीडर ग्रेड-प्रथम के 3, रीडर ग्रेड-द्वितीय एवं तृतीय के 4-4, सीनियर मुंसरिम का एक और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के 35 पद शामिल हैं।

वैदिक जल अनुसंधान केन्द्र के गठन पर होगा विचार : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि जगद्गुरु रामानंदाचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय में वैदिक जल अनुसंधान केन्द्र के गठन पर विचार किया जाएगा। उन्होंने विश्वविद्यालय से इस संबध में विस्तृत प्रस्ताव भिजवाने को कहा। शेखावत मंगलवार को विश्वविद्यालय में आधुनिक ज्ञानविज्ञान संकाय भवन के शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। शेखावत ने कहा कि सांसद रामचरण बोहरा जी ने कहा कि विश्वविद्यालय में वैदिक जल के अनुसंधान पर काम होना चाहिए। यहां वैदिक जल का अनुसंधान केन्द्र बने, इस पर विचार किया जा सकता है। इसके लिए विश्वविद्यालय को प्रस्ताव बनाकर देना होगा कि क्या करना है? कैसे करना है और किसलिए करना है? इस प्रस्ताव पर सकारात्मक रूप से विचार होगा। आज समय आ गया है कि हम हमारे ऋषि मुनियों ने जो ज्ञान हमें जीवन विज्ञान के रूप में दिया , उसे अप्लाइड सांइस के रूप में कैसे निखारें, इस पर काम करें। उन्होंने कहा कि भारत की बढ़ती हुई प्रतिष्ठा विश्व में बढ़ रही है। भारत से निकले ज्ञान विज्ञान की पहचान बढ़ी है। इसके साथ ही संस्कृत भाषा की साख बढ़ी है। संस्कृत दुनिया की प्राचीनतम भाषा है। यह कई भाषाओं की जननी है। अब तो संस्कृत पर कई शोध हुए हैं। इसके आधार पर इस भाषा को मोस्ट मैथेमेटिकल भाषा माना गया है। इसी कारण इसे कप्यूटर के लिए अनुकूल भाषा की श्रेणी में रखा गया है।

शेखावत ने कहा कि आज संस्कृत ही नहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के कारण हिन्दी की पहचान भी पूरे विश्व में बढ़ी है, क्योंकि वे अपने विदेशी कार्यक्रमों में अधिकाधिक रूप से हिंदी में ही बात करते हैं।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि भारत की बौद्धिक और आर्थिक संपदा से प्रभावित होकर यहां आक्रांता आए। दो हजार साल तक भारत में विदेशी आक्रांताओं के आक्रमण होते रहे। उन्होंने हमें अपनी जड़ों से काटकर खोखला कर दिया। आज यह हालत है कि हमने अपने ही ज्ञान विज्ञान पर विश्वास करना छोड़ दिया है। जो भी पश्चिम से आता है, वहीं श्रेष्ठ है।

बीकानेर में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर चल रहे 'सेवा पखवाड़ा' के अंतर्गत नाबार्ड परिसर में वृक्षारोपण करके पर्यावरण संरक्षण करने का आह्वान करते केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल।

झोलाछाप डॉक्टर के इंजेक्शन लगाते ही बुजुर्ग की मौत

श्रीगंगानगर। राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में सदर थाना क्षेत्र के गांव बहलोलनगर में एक झोलाछाप डॉक्टर के इंजेक्शन लगाते ही बुजुर्ग की मौत होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया कि मृतक बुजुर्ग रायसिंह को खांसी-जुकाम होने के कारण परिवार वाले सोमवार शाम को गांव में ही तथाकथित आरएमपी झोलाछाप डॉक्टर मुकेश के पास दवा दिलाने के लिए ले गए थे। रायसिंह के पुत्र सुरेश मेघवाल ने आरोप लगाया है कि मुकेश ने उसके पिता की ठीक से जांच किए बिना ही कोई इंजेक्शन लगा दिया।

तकनीकी संस्थान घिसे-पिटे कार्यक्रमों को छोड़कर नये पाठ्यक्रम अपनाएं : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को तकनीकी संस्थानों को नये दौर के पाठ्यक्रम अपनाने की सलाह दी। मुख्यमंत्री योगी ने मंगलवार को मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 12 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित नए प्रशासनिक भवन का लोकार्पण करने के बाद अपने संबोधन में कहा ''तकनीकी संस्थानों को घिसे पिटे कार्यक्रम छोड़कर नये दौर के पाठ्यक्रमों को अपने यहां लागू करना होगा।''

योगी आदित्यनाथ ने कहा ''आज का समय तकनीक का है, जिसका उपयोग राष्ट्र निर्माण और लोक कल्याण में किया जा सकता है।'' उन्होंने कहा कि 2017 तक उत्तर प्रदेश में केवल दो साइबर थाने थे, लेकिन आज प्रदेश के हर जनपद में एक-एक साइबर थाना है और हर जिले में साइबर हेल्प डेस्क है, जिसकी वजह से साइबर अपराधों पर लगाम लग रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा ''विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह तकनीकी सहयोग के लिए साइबर थानों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) करें। आज गोरखपुर जोन की पुलिस ने इस दिशा में अभिनव पहल करते हुए मदन मोहन मालवीय विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन किया है।''

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश का सबसे बड़ा डाटा सेंटर उत्तर प्रदेश में है तथा राज्य के तकनीकी संस्थानों को चाहिए कि वे स्वयं को उससे जोड़ें। उन्होंने कहा ''समाज की आवश्यकता के अनुरूप हम अपने शोध को आगे बढ़ाएं। इससे परिणाम सुखद होंगे।'' उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित छात्रों को सुझाव दिया कि हमें समाज और सरकार की योजनाओं के सापेक्ष आगे बढ़ना होगा।

कार्यक्रम में सांसद रवि किशन शुक्ल, जिला पंचायत अध्यक्ष साधना सिंह, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, कुलपति जय प्रकाश पाण्डेय, विधायक फतेह बहादुर सिंह और विपिन सिंह समेत अन्य गणमान्य अतिथि मौजूद थे।

सरकार वाराणसी में विश्व स्तरीय क्रूज टर्मिनल बनाएगी: सर्बानंद सोनोवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने मंगलवार को कहा कि सरकार वाराणसी में नदी क्रूज पर्यटन के विस्तार के लिए वहां विश्व स्तरीय क्रूज टर्मिनल तैयार करने की योजना बना रही है।

बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री ने आगामी ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया समिट, 2023 के लिए आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण अनुकूल और आधुनिक समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की सबसे लंबी नदी क्रूज एमवी गंगा विलास के साथ नदी क्रूज पर्यटन क्षेत्र में अग्रणी है। इसने इस साल फरवरी में असम के डिब्रूगढ़ में अपनी पहली यात्रा पूरी की।

सोनोवाल ने कहा, ''हम एक लाभप्रद परिवेश बना रहे हैं और देश भर में सभी बंदरगाहों का आधुनिकीकरण कर रहे हैं, चाहे वह सामानों की आवाजाही, माल के परिवहन या फिर लागत में कमी के लिए हो।''

सोनोवाल के अनुसार, पीएम गति शक्ति पहल के साथ, सरकार ने जलमार्ग-केंद्रित परिवहन में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। मल्टीमॉडल माल ढुलाई हिस्सेदारी को दोगुना कर 12 प्रतिशत कर दिया है और 'लॉजिस्टिक' लागत को कम कर दिया है।

ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया समिट, 2023 का आयोजन 17 से 19 अक्टूबर, 2023 को होगा।

बाराबंकी में पुलिस ने तीन तस्करों को गिरफ्तार किया, 24 करोड़ रुपये मूल्य की स्मैक बरामद

बाराबंकी (उप्र)/भाषा। बाराबंकी जिले के लोनी कटरा थाना पुलिस ने तीन अंतरराज्यीय 'मॉरफीन' तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 23 किलोग्राम से अधिक मॉरफीन/स्मैक बरामद की। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्मैक की कीमत 24 करोड़ रुपये आंकी गयी है। पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) डॉ. अखिलेश नारायण सिंह के नेतृत्व में थाना लोनी कटरा की पुलिस टीम ने तीन शातिर अन्तरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करों को मंगलपुर रेलवे क्रासिंग के पास से गिरफ्तार किया। एसपी ने कहा कि उनके कब्जे से करीब 24 करोड़ रुपये कीमत की 23.490 किलोग्राम मारफीन/स्मैक, दो कार, तीन मोबाइल व 1385 रुपये नकद बरामद किये जबकि दो अभियुक्त फरार हो गए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान लखनऊ के निवासी शनि वर्मा उर्फ रोहित और बाराबंकी के अशोक कुमार व महेन्द्र सिंह उर्फ विक्कू के रूप में हुई है।

पहले काम कोई करता था, पद्म पुरस्कार कोई और ले जाता था: आनंदीबेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने यहां कहा कि पहले (2014 में मोदी सरकार आने से पूर्व) बड़े-बड़े लोगों को पद्म पुरस्कार दिया जाता था। उन्होंने कहा कि काम कोई करता था और पुरस्कार कोई और ले जाता था।

पटेल ने यहां राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के 18वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा, आज पूरी व्यवस्था बदल चुकी है। आज पूरे भारत में सर्वेक्षण किया जाता है और पता लगाया जाता है कि कौन महिला, पुरुष, आदिवासी हैं जो अलग काम कर रहे हैं। इस सर्वेक्षण में ढूंढ कर लोगों को पद्म पुरस्कार दिया जाता है। उन्होंने कहा, आज हर साल सौ से ज्यादा ऐसे भाई-बहनों को पद्म पुरस्कार मिलते हैं। मैं चाहती हूं कि विश्वविद्यालय के छात्र पिछले पांच साल में भारत सरकार से पद्म पुरस्कार प्राप्त करने वाले लोगों के बारे में अध्ययन करें। इन लोगों को ये पुरस्कार क्यों मिला, यह जानने के लिए आप एक छोटी सी पुस्तिका बनाएं। यह पुस्तिका आपको बड़ी प्रेरणा देगी।

पटेल ने उद्योगपति दिवंगत धीरूभाई अंबानी के जीवन से जुड़ी एक घटना साझा करते हुए कहा, धीरूभाई अंबानी सौराष्ट्र में छोटा काम करते थे और वह प्रतिदिन 10 रुपये कमाते थे। वह एक होटल में जाकर पांच रुपये में एक कप चाय पीते थे। उनके मित्रों ने एक दिन पूछा कि आप 10 रुपये में से पांच रुपये चाय पर खर्च कर देते हो, जबकि हम एक रुपये में चाय पीते हैं और हमारा नौ रुपये बच जाता है। पटेल ने कहा, इस पर धीरूभाई अंबानी ने कहा कि जिस होटल में मैं पांच रुपये में चाय पीता हूं, वहां बड़े बड़े लोग आते हैं और कारोबार से जुड़ी बड़ी बड़ी बातें करते हैं। मैं इन लोगों के बीच बैठकर उनकी बातें सुनता हूं क्योंकि मुझे आगे जाने के लिए कुछ ना कुछ ज्ञान की बातें चाहिए होती हैं। इन लोगों का इतिहास जानकर मुझे प्रेरणा मिलती है कि मैं भी आगे जाकर बड़ा कर सकता हूं।

भाजपा कार्यकर्ता पूरे मन से लोगों की समस्याओं को दूर कराएं: अन्नापूर्णा देवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बलिया (उप्र)/भाषा। केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं से अनुरोध किया वे पूरे दिल से आम लोगों की समस्याओं को दूर कराएं, ताकि उनको छोटी-छोटी समस्याओं को लेकर परेशान न होना पड़े।

अन्नपूर्णा ने सोमवार रात जिले के रसड़ा क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक में कहा कि आम लोगों को भाजपा से अधिक अपेक्षा है, ऐसे में पार्टी कार्यकर्ता आम लोगों की समस्याओं के निदान पर ध्यान केंद्रित करें ताकि उन्हें छोटी-छोटी समस्याओं को लेकर परेशान न होना पड़े। उन्होंने जोर देकर कहा है कि मोदी सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूल मंत्र के अनुसार कार्य कर रही है। उन्होंने संसद में पिछले दिनों पारित हुए नारी शक्ति वंदन विधेयक का जिक्र करते हुए कहा कि देश की महिलाएं उम्मीद खो चुकी थीं कि कभी महिला आरक्षण का कानून बन सकता है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नामुमकिन को मुमकिन बना दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की छवि विश्व फलक पर एक नेतृत्व कर्ता के रूप में उभरी है।

मणिपुर में केंद्र सरकार को अपनी 'निष्क्रियता' पर शर्म आनी चाहिए: प्रियंका गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने मणिपुर में जुलाई से लापता हुए दो छात्रों के शवों की तस्वीरें सोशल मीडिया में आने के बाद मंगलवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि उसे पूर्वोत्तर के इस प्रदेश में अपनी 'निष्क्रियता' पर शर्म आनी चाहिए।

प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मणिपुर से और चौंकाने वाली खबर आई है। बच्चे जातीय हिंसा के सबसे अधिक शिकार हैं। यह हमारा कर्तव्य है कि हम उनकी सुरक्षा के लिए हर संभव प्रयास करें।'' उन्होंने दावा किया कि मणिपुर में हो रहे भयानक अपराध शब्दों से परे हैं, फिर भी उन्हें निरंतर जारी रहने दिया जा रहा है। कांग्रेस महासचिव ने केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा, ''केंद्र सरकार को अपनी निष्क्रियता पर शर्म आनी चाहिए। '' मणिपुर में जुलाई से लापता दो छात्रों के शवों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर आने के बाद राज्य सरकार ने लोगों से संयम बरतने और अधिकारियों को पूरे मामले की जांच करने देने की अपील की है। छात्रों की पहचान फिजाम हेमजीत (20) और हिजाम लिनथोइनगांबी (17) के रूप में की गई। दोनों जुलाई से लापता थे। लापता छात्रों की दो तस्वीरें सोमवार रात सोशल मीडिया पर आईं। इनमें से एक तस्वीर में कथित तौर पर छात्र दो हथियारबंद लोगों के साथ नजर आ रहे हैं और दूसरी तस्वीर में दो शव दिख रहे हैं।

बरेली में छात्रा पर तेजाब फेंका, भाई भी झुलसा

बरेली(उप्र)/भाषा। जिले के थाना इज्जत नगर क्षेत्र में मंगलवार सुबह कमरे में सो रही छात्रा पर किसी ने तेजाब फेंक दिया, जिससे वह और उसका भाई झुलस गया। पुलिस ने बताया कि दोनों को गंभीर हालत में शहर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है और मामला दर्ज करने के बाद दो संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार आरोपी छात्रा को पहले से जानते थे और उनसे घटना के संबंध में पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधीक्षक (नगर) राहुल भाटी ने बताया कि इज्जत नगर की एक कॉलोनी में रात तीन बजे 22 वर्षीय छात्रा और उसका 17 वर्षीय भाई अपने कमरे में सो रहे थे। पीड़ितों के बयान के मुताबिक उनपर किसी व्यक्ति ने तेजाब फेंका और फरार हो गया, सुबह पुलिस को इसकी जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि मामला दर्ज कर दो आरोपियों को हिरासत में लिया गया है, प्राथमिक जांच में पता चला है कि आरोपी पहले से छात्रा को जानते थे और उनसे पूछताछ की जा रही है। भाटी ने बताया कि छात्रा मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रही है, जबकि भाई 11वीं कक्षा में पढ़ता है।

2024 के लोस चुनाव में 'महिला आरक्षण कानून' को लागू करने की मांग राजनीतिक दांव: ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को कहा कि 2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों में प्रस्तावित महिला आरक्षण कानून लागू करने की कांग्रेस एवं अन्य दलों की मांग 'राजनीतिक दांव' है और इसके पीछे के मूल उद्देश्य को विफल करने का प्रयास है। ठाकुर ने संवाददाताओं से कहा, 'ये दल जानते हैं कि जनगणना नहीं हुई है तथा न ही परिसीमन हुआ है और कोई भी व्यक्ति अदालत में जाकर इस प्रक्रिया को बाधित कर सकता है।'

इस सवाल पर कि क्या ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) जैसे सहयोगियों के गठबंधन छोड़ने से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) कमजोर हो रहा है, सूचना और प्रसारण मंत्री ने कहा कि जनता दल (सेक्युलर) और कुछ अन्य दल सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि गठबंधन मजबूत है और 2024 में लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज करेगा। ठाकुर ने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के शासन के दौरान लाया गया था और समाजवादी पार्टी तथा राष्ट्रीय जनता दल (राजद) जैसे उसके सहयोगियों ने इसका विरोध किया था। उन्होंने कहा, 'ये दल महिलाओं को आरक्षण देने के पक्ष में नहीं हैं, लेकिन वे सबके सामने इसका विरोध नहीं कर सकते। इस कारण ये दल इसे 2024 में लागू करने और अन्य पिछड़ा वर्ग को आरक्षण देने जैसी बेमतलब की मांग कर रहे हैं।' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि परिसीमन आयोग द्वारा निष्पक्ष तरीके से परिसीमन किया जाता है और महिलाओं के लिए 33% आरक्षण के साथ चुनाव परिसीमन के बाद ही हो सकते हैं। कांग्रेस और आप जैसी कुछ अन्य दलों ने मांग की है कि सरकार महिला आरक्षण विधेयक को अविलंब लागू करे।

अमेरिका से अपने परिवार का पता लगाने लखनऊ आई 'महोगनी'

लखनऊ/भाषा। अमेरिका में मिनेसोटा की रहने वाली 26 वर्षीय महोगनी एम्बरकाई करीब 21 साल बाद अपने परिवार का पता लगाने के लिए लखनऊ आई हैं। महोगनी का कहना है कि करीब 21 साल पहले उन्हें एक अमेरिकी महिला ने गोद लिया था और उन्हें अपने साथ ले गयी थी।

महोगनी ने मंगलवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया, मैं अपने परिवार का पता लगाने के लिए पिछले तीन सप्ताह से लखनऊ में हूं। मुझे जानकारी मिली है कि मैं लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन पर पड़ी थी, और (लखनऊ में) एक अनाथालय मुझे ले जाया गया था और फिर मुझे छोड़ दिया गया। उन्होंने बताया, ' 2002 में एक अमेरिकी महिला ने मुझे गोद लिया था। वह मुझे अमेरिका ले गई, वहां मेरा पालन-पोषण किया, वह मेरे साथ बहुत ही बुरा व्यवहार करती थी ।अब मैं अपनी पुरानी जिंदगी के बारे में जानने के लिए लखनऊ आई हूं।

अपने अनुभव और अमेरिका में अपने परिवार के बारे में विस्तार से बताते हुए, महोगनी ने बताया, मेरा अमेरिका में कोई परिवार नहीं था। मुझे अकेली महिला ने गोद लिया था, और वह वास्तव में बहुत अपमानजनक व्यवहार करती थी। उसने मुझे कभी भी मेरी संस्कृति के बारे में नहीं सिखाया और न ही मेरे बारे में कुछ बताया।

मथुरा में आठ साल की दलित बच्ची से दुष्कर्म, मामला दर्ज

मथुरा (उप्र)/भाषा। मथुरा जिले के महावन थाना क्षेत्र में दलित समुदाय की आठ साल की एक बच्ची के साथ दुष्कर्म किये जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) त्रिगुण बिसेन ने पीड़िता के पिता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के हवाले से बताया कि रविवार की रात जब साढे.आठ बजे वह खेत में था तथा पत्नी घर के काम में व्यस्त थी, तभी बच्ची गांव में एक रिश्तेदार के यहां चली गयी थी। बिसेन ने बताया कि शिकायत के अनुसार, वहां से लौटते समय ही कोई अज्ञात व्यक्ति बच्ची को टॉफी दिलाने के बहाने अपने साथ एकांत स्थान पर ले गया, और वहां वह उसके साथ दुष्कर्म कर भाग गया। काफी देर बाद बच्ची किसी तरह घर वापस लौटी। उसकी हालत बहुत खराब थी। रक्तस्राव होने की वजह से उसे तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। एसपी ने बताया कि पीड़िता के पिता की शिकायत के आधार पर अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है और आरोपी का पता लगाने के प्रयास जारी हैं। आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती बच्ची की हालत में भी सुधार है।

आगरा पुलिस ने चंबल नदी में स्टीमर में फंसे 150 लोगों को सकुशल निकाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आगरा/भाषा। आगरा के पिनाहट में मंगलवार को चंबल नदी के में फंसे एक स्टीमर से 150 यात्रियों को सकुशल निकाल लिया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि स्टीमर निर्माणाधीन पुल के पिलर में फंस गया था, जिसके बाद चीख पुकार मच गई थी। इसके बाद पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से यात्रियों को नाव के जरिए नदी के पास पहुंचाया। पुलिस ने स्टीमर को कब्जे में ले लिया है।

पुलिस ने बताया कि पिनाहट में चंबल नदी पर एक पुल का निर्माण किया जा रहा है और स्टीमर में सवार सभी लोग मध्यप्रदेश की सीमा से चंबल नदी पार करके पिनाहट की ओर आ रहे थे।

पुलिस ने कहा कि जब स्टीमर निर्माणाधीन पुल के पास से गुजरा तो वह पुल के पिलर में फंस गया।

घुड़सवारी टीम ने जीता स्वर्ण, पाल नौकायन में भी रजत और कांस्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हांगझोउ/भाषा। भारत की ड्रेसेज टीम ने मंगलवार को यहां एशियाई खेलों में अपना पहला स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा जबकि पाल नौकायन (सेलिंग) में नेहा ठाकुर रजत और इबाद अली कांस्य पदक जीतने में सफल रहे। निशानेबाजी में भारत के दिव्यांश पंवार और रमिता जिंदल की जोड़ी हालांकि दस मीटर एयर राइफल मिश्रित स्पर्धा में मामूली अंतर से कांस्य पदक से चूक गई जबकि जूडो में तुलिका मान को कांस्य पदक के मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा।

तैराकी में भारत की चार गुणा 100 मीटर पुरुष मेडले रिले टीम ने दिन में दूसरी बार राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा लेकिन इसके बावजूद पांचवें स्थान पर रही। टेनिस में सुमित नागल और अंकिता रैना ने एकल मुकाबलों कें क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई जबकि रामकुमार रामनाथन और रुतुजा भोसले को हार का सामना करना पड़ा। युकी भांबरी और अंकिता की मिश्रित युगल जोड़ी भी जीत दर्ज करने में सफल रही। भारत पदक तालिका में तीन स्वर्ण, तीन रजत और छह कांस्य पदक सहित कुल 12 पदक के साथ छठे स्थान पर चल रहा है। चीन 53 स्वर्ण, 29 रजत और 13 कांस्य पदक सहित कुल 95 पदक के साथ शीर्ष पर है। दक्षिण कोरिया (14 स्वर्ण, 16 रजत, 19 कांस्य) दूसरे जबकि जापान (आठ स्वर्ण, 20 रजत, 19 कांस्य) तीसरे स्थान पर है। एड्रेनेलिन फिरफोड पर सवार दिव्यकृति सिंह, हृदय विपुल छेडा (चेमक्सप्रो एमरेल्ड) और अनुश अग्रवाला (एट्रो) ने कुल 209.205 प्रतिशत अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता जो एशियाई खेलों की घुड़सवारी स्पर्धा में भारत का सिर्फ दूसरा स्वर्ण पदक है। सुदीप्ति हजेला भी टीम का हिस्सा थी लेकिन सिर्फ शीर्ष तीन खिलाड़ियों के स्कोर गिने जाते हैं। चीन की टीम 204.882 प्रतिशत अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही जबकि हांगकांग ने 204.852 प्रतिशत अंक के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

भारत ने टीम ड्रेसेज स्पर्धा में शीर्ष पर रहकर स्वर्ण पदक के 41 साल के इंतजार को खत्म किया। खेल के इतिहास में यह पहला मौका है जब भारत ने ड्रेसेज स्पर्धा में टीम स्वर्ण पदक जीता। भारत ने कांस्य पदक के रूप में ड्रेसेज में पिछला पदक 1986 में जीता था। सत्रह साल की पाल नौकायन खिलाड़ी नेहा ठाकुर ने लड़कियों की डिंगी आईएलसीए-4 स्पर्धा में दूसरा स्थान हासिल किया। इबाद ने पाल नौकायन में पुरूषों के विंडसर्फर आरएस एक्स वर्ग में 52 के नेट स्कोर के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

शुभमन गिल को विश्राम, हार्दिक पंड्या, मोहम्मद शमी और शार्दुल ठाकुर घर लौटे: रोहित शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजकोट/भाषा। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि बेहतरीन फॉर्म में चल रहे सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल सहित पांच खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे और अंतिम एकदिवसीय क्रिकेट मैच के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे, क्योंकि कुछ खिलाड़ी वायरल से पीड़ित है जबकि कुछ खिलाड़ियों ने घर लौटने का विकल्प चुना है।

तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 से आगे चल रहे भारत को इस तरह से अंतिम वनडे के लिए 13 खिलाड़ियों में से टीम का चयन करना होगा। गिल को जहां विश्राम दिया गया है वहीं एशिया कप के दौरान चोटिल होने वाले अक्षर पटेल राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में उपचार करा रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो वनडे में खेलने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और शार्दुल ठाकुर तथा श्रृंखला में एक भी मैच नहीं खेलने वाले हार्दिक पंड्या अपने घर लौट गए हैं।

रोहित ने तीसरे मैच की पूर्व संध्या पर संवाददाताओं से कहा,''हमारे कुछ खिलाड़ी अस्वस्थ हैं और चयन के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे जबकि कुछ खिलाड़ी निजी कारणों से घर लौट गए हैं। इसके अलावा कुछ खिलाड़ियों को विश्राम दिया गया है। अभी हमारे पास चयन के लिए केवल 13 खिलाड़ी मौजूद हैं।'' उन्होंने कहा,''गिल को विश्राम दिया गया है, जबकि शमी, हार्दिक और शार्दुल निजी कारणों से घर लौट गए हैं। अक्षर पटेल इस मैच के लिए उपलब्ध नहीं है।'' रोहित ने कहा कि कुछ खिलाड़ी वायरल से पीड़ित हैं जिससे उनके चयन को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। उन्होंने कहा,'' कुछ खिलाड़ी वायरल की चपेट में आ गए हैं जिससे अभी टीम में अनिश्चितता बनी हुई है और इस मामले में हम कुछ नहीं कर सकते हैं।''

सुविचार

ज़िन्दगी एक खेल है, ये आपको तय करना है, आपको खेल बनना है या खिलाड़ी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ट्रूडो धृतराष्ट्र न बनें

कनाडा में 'हिंदुओं को देश छोड़कर चले जाने' की धमकी देने संबंधी घटना अत्यंत निंदनीय है। अगर यह आतंकवाद नहीं है तो और क्या है? कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो खालिस्तानी अलगाववादियों की आंखों का तारा बनने की कोशिश में अपने देश में टकराव को बढ़ावा दे रहे हैं। कहीं ऐसा न हो कि वे वोटबैंक के लोभ में कनाडा को दूसरा पाकिस्तान बना दें, जहां सुधार की गुंजाइश न के बराबर है। ट्रूडो से ज्यादा अक्लमंदी और हिम्मत तो उनकी पार्टी के सांसद चंद्र आर्य ने दिखाई। उन्होंने यह कहते हुए खालिस्तानियों की उद्दंडता पर नाराजगी जताई कि 'कुछ दिन पहले कनाडा में खालिस्तान आंदोलन के नेता और तथाकथित जनमत संग्रह कराने वाले सिक्ख फॉर जस्टिस के अध्यक्ष गुरपतवंत सिंह पन्नू ने हिंदू कनाडाई लोगों पर निशाना साधते हुए हमसे कनाडा छोड़ने और भारत वापस जाने के लिए कहा।' ट्रूडो का कर्तव्य है कि वे ऐसे समय में धृतराष्ट्र न बनें, बल्कि विवेक एवं बुद्धि से काम लेते हुए अपराधियों के खिलाफ सख्ती दिखाएं। अब तक ट्रूडो के जो बयान सामने आए हैं, उनसे साफ पता चलता है कि उन्होंने खालिस्तान समर्थकों को खुली छूट दे रखी है। पिछले दिनों कनाडा का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें एक उग्र खालिस्तान समर्थक एक हिंदू को अभद्र शब्द बोल रहा था। वह गौमाता का उल्लेख कर उसकी आस्था को निशाना बना रहा था। मानवाधिकारों का झंडा उठाने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं भी ऐसे वीडियो पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देतीं। जबकि वे भारत में होने वाली छोटी-से-छोटी घटना को लेकर हमेशा 'हाई अलर्ट' पर रहती हैं और उपदेश देने, आलोचना करने का मौका नहीं छोड़तीं। बेशक सभी लोगों के मानवाधिकार होते हैं, जिनकी रक्षा सुनिश्चित होनी चाहिए, लेकिन सवाल है- क्या उन हिंदुओं के भी कोई मानवाधिकार हैं, जिन्हें खालिस्तान समर्थक कनाडा से निकल जाने की धमकी दे रहे हैं? अगर जस्टिन ट्रूडो उनकी रक्षा कर पाने में स्वयं को असमर्थ समझते हैं तो क्यों कुर्सी से चिपके हुए हैं? इस्तीफा सौंपें और किसी योग्य व्यक्ति को यह जिम्मेदारी दें।

कनाडा में रहने वाले हिंदू कोई चोरी-चुपके दीवार फांदकर नहीं आए हैं। उन्होंने नियमों और कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया है। भारत से कनाडा गए कई विद्यार्थी वहां विभिन्न विश्वविद्यालयों में पढ़ाई कर रहे हैं। उन्होंने इस पर बड़ी राशि खर्च की है। यह राशि कनाडा की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत मायने रखती है। कई हिंदू वहां की नागरिकता ले चुके हैं और अपने कार्यक्षेत्र में नाम कमा रहे हैं। विभिन्न कंपनियों के शीर्ष पदों पर हिंदू हैं। उन्होंने यह उपलब्धि हासिल करने के लिए वर्षों तक कड़ी मेहनत की है। आज कनाडा में उसके प्रधानमंत्री की अदूरदर्शिता के कारण जिस तरह भारतविरोधी और हिंदूविरोधी माहौल बनता जा रहा है, वह भविष्य में उसे महंगा पड़ सकता है। अगर पन्नू की ओर से कनाडाई हिंदुओं को ऐसी धमकियां दी जा रही हैं तो इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। इसका न केवल स्थानीय स्तर पर विरोध करना चाहिए, बल्कि वैश्विक मंचों पर यह बात उठानी चाहिए। कनाडा में हिंदू सर्वाधिक शांत और सहिष्णु समुदाय है। इसके लोग पढ़ाई, नौकरी, कारोबार आदि के लिए कनाडा जाते हैं तो पूरा ध्यान अपने काम पर देते हैं। वे स्थानीय समुदाय की धार्मिक व सांस्कृतिक भावनाओं का सम्मान करते हैं और ऐसा कोई काम नहीं करते, जिससे उस देश की शांति में खलल पड़े, लेकिन उन्हें चाहिए कि वे अपने अधिकारों के लिए भी सजग रहें, संगठित रहें। अगर आप अपने अधिकार, अस्तित्व और सम्मान के लिए आवाज नहीं उठाएंगे तो कौन उठाएगा? पिछले पांच वर्षों की बात करें तो यूरोप में कई जगह हिंदुओं पर हमलों की घटनाएं हुई हैं। उनके मंदिरों को भी निशाना बनाया गया है। कई बार दीवारों पर अपमानजनक शब्द लिखे गए हैं। अब कनाडा में माहौल तनावपूर्ण होता जा रहा है। इन सबके पीछे किसका हाथ है? जहां-जहां ऐसी घटनाएं हुईं, उनके तार कहीं न कहीं जाकर आईएसआई से जुड़ते हैं। कनाडा में भी आईएसआई का नेटवर्क है, जो भारत व हिंदू विरोधी एजेंडे को हवा देता है। जस्टिन ट्रूडो, कनाडा में मारे गए कुछ अपराधियों के लिए भारतीय एजेंसियों पर दोषारोपण की नाकाम कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने आईएसआई के शैतानी नेटवर्क के लिए आंखें मूंद रखी हैं। अगर वे अब भी न संभले तो कुछ वर्षों में कनाडा का सामाजिक माहौल पाकिस्तान से बाजी मार ले जाएगा और इतने वर्षों में जो शांति व समृद्धि कमाई हैं, वे तुच्छ राजनीतिक स्वार्थ की भेंट चढ़ जाएंगी।

ट्वीटर टॉक

भारतीय घुड़सवार सुदीप्ति हजेला जी, दिव्यकीर्ति सिंह जी, अनुश अग्रवाल जी और हृदय छेड़ा जी की चौकड़ी ने एशियन गेम्स में देश को दिलाया स्वर्ण पदक। इस महान उपलब्धि पर सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देता हूं और कामना करता हूं।

-सीपी जोशी

वहीदा जी को दादा साहेब फाल्के सम्मान की बधाई। मशहूर अभिनेत्री वहीदा रहमान जी को प्रतिष्ठित दादा साहेब फाल्के पुरस्कार के लिए चुने जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। 5 दशक तक फिल्म जगत में आपका उत्कृष्ट योगदान प्रशंसनीय है।

-गोविंद सिंह डोटासरा

प्रेरक प्रसंग

विद्वत्ता का सम्मान

छत्रपति शिवाजी के महाप्रयाण के बाद उनके राजकवि भूषण गहरी निराशा में डूब गये। उन्हें चिंता थी कि महाराजा शिवाजी के बाद राजाश्रय देने वाला शायद ही कोई राजा मिल सकेगा। वे सोचते थे कि क्या कोई ऐसा निर्भीक राजा धरा पर होगा जो अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने की क्षमता रखता हो? उन्हें कालांतर ज्ञात हुआ कि अल्मोड़ा के चंद राजवंश के राजा निर्भीक व मानवीय मूल्यों के सरोकारों को लेकर प्रतिबद्ध हैं। महाकवि भूषण ने चंद राजा के पास उनके राज्य में अपने आने का संदेश दिया। यह समाचार सुनकर चंद राजा प्रसन्न हुए कि छत्रपति शिवाजी के राजकवि अल्मोड़ा पधार रहे हैं। राजा ने राज्य की सीमा में प्रवेश करने पर महाकवि के लिये हीरे-जवाहरात से जड़ित पालकी भिजवाई ताकि उन्हें ससम्मान महल लाया जा सके। बताते हैं जैसे ही पालकी महल के पास पहुंची चंद राजा ने कहार को हटाकर पालकी पर कंधा लगा दिया। यह देखकर उनके दरबारी हैरत में पड़ गए। तब राजा चंद ने कहा कि महाराजा छत्रपति शिवाजी जैसे महान व्यक्तित्व के राजकवि का हमारे राज्य में आगमन सौभाग्य की बात है। ऐसे सरस्वती पुत्र की पालकी को कंधा देना सौभाग्य है।

सामयिक

25 वर्ष का हुआ हमारे पल-पल का साथी गूगल

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9034304041.

गूगल 27 सितम्बर को अपना 25वां जन्मदिन मना रहा है। गूगल के संबंध में सबसे आश्चर्यजनक और चौंका देने वाला तथ्य यही है कि भले ही अब गूगल का जन्मदिन प्रतिवर्ष 27 सितम्बर को मनाया जाता है और गूगल अब अधिकारिक रूप से 25 वर्ष का हो गया है लेकिन गूगल के जन्मदिन की तारीख को लेकर भ्रम की स्थिति बनी रही है। गूगल ने 27 सितम्बर 2002 को सबसे पहले अपने बर्थ-डे डूडल का इस्तेमाल किया गया और 2004 में गूगल जब अपना छठा जन्मदिन मना रहा था, तब उसका बर्थ-डे डूडल दुनिया भर में 7 सितम्बर को ऑनलाइन किया गया था। वर्ष 2006 से गूगल ने 27 सितम्बर को अपना जन्मदिन मनाना शुरू किया जबकि उससे पहले उसने 26 सितम्बर को अपना जन्मदिन मनाया था। अपने जन्मदिन की अलग-अलग तारीखों में कंफ्यूजन के चलते ही गूगल ने अपने जन्मदिन की तारीख 27 सितम्बर निर्धारित कर दी और इसका कारण यही माना जाता है कि इसी दिन वर्ष 2002 में गूगल ने पहली बार अपने बर्थ-डे डूडल का इस्तेमाल किया था।

गूगल की शुरूआत एक सर्च इंजन के रूप में हुई थी और इन 25 वर्षों में गूगल अब पूरी तरह बदल चुका है, जो आज इंटरनेट का सबसे बड़ा सर्च इंजन है। उसने इतनी सारी नई-नई तकनीकें और प्रोडक्ट लांच किए हैं कि वह पिछले चंद वर्षों में विश्वभर में लोगों का पल-पल का साथी बन गया है। किसी भी व्यक्ति के मन में जब भी कोई सवाल उमड़ता है तो वह प्रायः गूगल का ही सहारा लेता है। हमें आज जो कुछ भी सर्च करना होता है, गूगल पर जाकर तुरंत सर्च कर लेते हैं बल्कि आजकल तो गूगल वाइस असिस्टेंट के जरिये बोलकर भी अपनी जिज्ञासा का समाधान हासिल कर लेते हैं। यही कारण है कि गूगल को इंटरनेट की दुनिया का सबसे बड़ा हथियार' भी कहा जाता है। आकाश से लेकर पाताल तक और सुई से लेकर हवाई जहाज तक के बारे में सर्च इंजन गूगल तमाम जानकारियों का पिटारा एक क्लिक में ही खोलकर सामने रख देता है।

गूगल की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह स्वयं को अपडेट रखने के लिए प्रतिदिन कुछ न कुछ नया करता रहता है और पिछले कुछ वर्षों में ऐसी अनेक नई और अनोखी तकनीकें लेकर आया है, जो दुनिया को लगातार हाईटेक बनाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के जरिये गूगल हमारी तमाम पसंद-नापसंद तक की जानकारी हासिल कर रहा है। शायद ही कोई ऐसी जानकारी हो, जो गूगल के पास उपलब्ध न हो। गूगल अब न केवल हमें सभी प्रकार की जानकारियों से अपडेट रखता है बल्कि हमारे हमराज की भूमिका में भी तेजी से उभर रहा है। दरअसल अब गूगल यह भी जानता है कि हम किस समय कहां हैं और क्या कर रहे हैं। गूगल आज न केवल दुनिया का सबसे बड़ा सर्च इंजन है बल्कि आज यह कम्पनी ऑपरेटिंग सिस्टम से लेकर मोबाइल डिवाइस तक बना रही है।

यह भी जान लें कि गूगल काम कैसे करता है? यूआरएल की मदद से हम इंटरनेट पर कुछ भी सर्च कर सकते हैं लेकिन अगर यूआरएल नहीं हो तो सर्च इंजन की जरूरत पड़ती है। सर्च इंजन हमारे द्वारा दिए गए की-वर्ड्स के जरिये हमें अपेक्षित जानकारी या वेबसाइट तक पहुंचाता है। गूगल का वेब क्रॉलर' सॉफ्टवेयर इंटरनेट पर मौजूद सभी वेब पेजों को देखता है और उनमें मौजूद लिंक तथा डाटा को गूगल सर्वर पर भेजता है, जिसके बाद इस डाटा की इंडेक्सिंग की जाती है और सभी वेब पेजों के डाटा को सर्च इंजन पर भेज दिया जाता है। हम गूगल पर जैसे ही किसी चीज को सर्च करते हैं, गूगल का एल्गोरिदम उस शब्द का विश्लेषण कर सर्वर में मौजूद अरबों वेब पेजों में से हमारे लिए उपयोगी जानकारी निकालकर हमारे समक्ष प्रस्तुत कर देता है।

वर्ष 1998 में जब गूगल की शुरूआत की गई थी, तब पूरे वर्ल्ड वाइड वेब पर करीब ढ़ाई करोड़ पेज मौजूद थे, उस समय गूगल का एल्गोरिदम शानदार था। तब कुछ भी सर्च करने पर इन ढ़ाई करोड़ पेजों से जानकारी मिल जाती थी लेकिन आज गूगल के पास हर प्रकार की जानकारियों का अरबों पेजों का अथाह भंडार है, जिसमें से आप अपने मतलब की कोई भी जानकारी चुटकियों में हासिल कर सकते हैं। गूगल आज दुनिया की सबसे बड़ी कम्पनियों में से एक है, जिसे इस क्षेत्र में न अभी तक कोई टक्कर दे पाया है और न ही आने वाले वर्षों में इसकी कोई संभावना दिखती है। हालांकि कहा जाता है कि शुरूआती दिनों में मुनाफा न हो पाने के चलते गूगल के संस्थापकों ने 1999 में इस कम्पनी को बेचने के लिए एक्साइट कम्पनी के सीईओ जॉर्ज बेल से मुलाकात कर इसे एक मिलियन डॉलर में बेचने की पेशकश की थी किन्तु जॉर्ज बेल ने यह ऑफर ठुकरा दिया था। बहरहाल, दुनिया के किसी प्रसिद्ध व्यक्ति के जन्मदिन या पुण्यतिथि के बारे में जानकारी चाहिए या विश्वभर में मनाए जाने वाले विभिन्न दिवसों की तारीख पता करनी हो तो गूगल के जरिये ये तमाम जानकारियां हमें तुरंत प्राप्त हो जाती हैं। बीते 25 वर्षों में गूगल में बहुत सारे बदलाव आए हैं, लेकिन इस दौरान एक चीज जो नहीं बदली, वह है 'गूगल का डूडल'। गूगल ने हर विशेष अवसर पर डूडल बनाकर न सिर्फ लोगों का मनोरंजन किया, बल्कि उनसे संबंधित अनेक महत्वपूर्ण जानकारियां भी दुनिया के साथ साझा की।

अध्यात्म

उत्तम आकिंचन्य धर्म : जीवन की सारी यात्रा एकाकी है

डॉ. सुनील जैन संचय
मोबाइल : 9793821108

जीवन की यात्रा अकेले अकेले, चुपचाप चुपचाप नदी की तरह करनी होगी। जैसे नदी बिना किसी की प्रतीक्षा किये, बिना किसी से बातचीत किये, समर्पित भाव-भाषा में एक लक्ष्य बनाकर चलती है, ठीक वैसे ही हमें जीवन की यात्रा करनी होगी। तब कहीं जाकर के विशाल धर्म के सागर से हमारी मुलाकात होगी और हम उसमें मिलकर/मिटकर स्वयं सागर बन जाओगे। सागर-सी इस अनन्त सत्ता को पाने के लिये बहुत कुछ विचार करने की जरूरत है। जीवन के अन्तरंग तत्त्व का स्पर्श करने की जरूरत है। आज का यह धर्म बताता है कि निर्विकल्प निर्द्वंद्व एकाकी आत्मा की अनुभूति में उतरना पड़ता है।

'मैं' और 'मेरे पन' का त्याग ही उत्तम आकिंचन्य धर्म

आकिंचन्य धर्म आत्मा की उस दशा का नाम है जहां पर बाहरी सब छूट जाता है किंतु आंतरिक संकल्प विकल्पों की परिणति को भी विश्राम मिल जाता है। बाहरी परित्याग के बाद भी मन में 'मैं' और 'मेरे पन' का भाव निरंतर चलता रहता है, जिससे आत्मा बोझिल होती है और मुक्ति की ऊर्ध्वगामी यात्रा नहीं कर पाती।

जिस प्रकार पहाड़ की चोटी पर पहुंचने के लिए हमें भार रहित हल्का होना जरूरी होता है उसी प्रकार सिद्धालय की पवित्र ऊंचाइयां पाने के लिए हमें अकिंचन, एकदम खाली होना आवश्यक है। जहां पर भीड़ है, वहांपर आवाज, आकुलता और अशांतिहै किंतु एकाकी एकत्व के जीवन में न कोई आवाज है और न कोई आकुलता और न अशांति। आज का यह धर्म जीवन की यात्रा को एकाकी आगे बढ़ाने का धर्म है जिसमें अपने और पराए का भेद समझ कर निर्विकल्प निर्द्वंद्व एकाकी आत्मा की अनुभूति में उतरना पड़ता है।

निर्विकल्प निर्द्वंद्व एकाकी आत्मा की अनुभूति

जिन्दगी की अर्थी में कोई कंधा देने वाला नहीं मिलेगा। इस शरीर से प्राण निकलने पर समाज के चार लोग आकर के फिर भी कंधा दे देंगे। राम नाम सत्य है, अरिहंत नाम सत्य है, कहने वाले मिल जायेंगे लेकिन जिन्दगी की अर्थी में कंधा देने के लिये तो तुम्हें खुद ही तैयार होना पड़ेगा। यह आकिंचन्य धर्म हमें इसी गहराई में ले जाता है। कोई नहीं किसी का साथी, सारी यात्रा एकाकी है। आज का यह धर्म जीवन की यात्रा को एकाकी आगे बढ़ाने का धर्म है जिसमें अपने और पराए का भेद समझ कर निर्विकल्प निर्द्वंद्व एकाकी आत्मा की अनुभूति में उतरना पड़ता है।

सांझ घिरते-घिरते पक्षीगण एक तरुवर पर आकर विश्राम कर लेते हैं, किंतु सुबह होते ही अपने-अपने कार्य के लिए भिन्न-भिन्न दिशाओं में चले जाते हैं। ठीक इसी प्रकार संसार में हम सभी का निवास है।

परिग्रह का परित्याग कर परिणामों को आत्मकेंद्रित करना ही अकिंचन धर्म की भावधारा है। जहां पर भीड़ है, वहांपर आवाज, आकुलता और अशांतिहै किंतु एकाकी एकत्व के जीवन में न कोई आवाज है और न कोई आकुलता और न अशांति। हम जहां पर जी रहे हैं वह कर्तव्य तो करना ही है किंतु यथार्थता का बोध हमें रहना चाहिए। जिस प्रकार पहाड़ की चोटी पर पहुंचने के लिए हमें भार रहित हल्का होना जरूरी होता है उसी प्रकार सिद्धालय की पवित्र ऊंचाइयां पाने के लिए हमें अकिंचन, एकदम खाली होना आवश्यक है। यह आत्मा, संकल्प, विकल्प रूप कर्तव्य भावों से संसार सागर में डूबती रहती है।

'आप अकेला अवतरे, मरे अकेला होय।
यूं कबहूं इस जीव का, साथी सगा न कोय।।'

चिंतन

गिरती घरेलू बचत एवं बढ़ती महंगाई से त्रस्त अर्थव्यवस्था

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

आगामी लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव के मद्देनजर महंगाई का लगातार बढ़ते रहना चिंता का विषय है। घरेलू बचत, महंगाई, बढ़ता व्यक्तिगत कर्ज, बढ़ते व्यक्तिगत खर्चे आदि को लेकर निम्न एवं मध्यम वर्ग परेशान है। इस परेशानी के समाधान की बजाय सत्ता एवं विपक्ष दल एक दूसरे पर दोषारोपण कर रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी ताजा मासिक बुलेटिन में माना है कि खाद्य मुद्रास्फीति को काबू करना कठिन साबित हो रहा है। आरबीआई द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत की घरेलू बचत दर वित्त वर्ष 2022-23 में पांच दशकों के निचले स्तर पर पहुंच गई। 18 सितंबर को जारी इन आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2022-23 में देश की शुद्ध घरेलू बचत पिछले साल की तुलना में 19 फीसदी कम रही है। 2021-22 में देश की शुद्ध घरेलू बचत जीडीपी के 7.2 फीसदी पर थी जो इस साल और घटकर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग 5 दशक के निचले स्तर 5.1 प्रतिशत पर आ गई है।

अनेक मोर्चों पर भारत की तस्वीर आशा का संचार कर रही है, लेकिन आर्थिक मोर्चे पर चिन्ता का सबब लगातार बना हुआ है, हालांकि समूची दुनिया में आर्थिक असंतुलन बना हुआ है, भारत ने फिर भी खुद को काफी संभाले हुए हैं। किसी देश की अर्थव्यवस्था इस पैमाने पर भी आंकी जाती है कि उसकी घरेलू बचत, प्रति व्यक्ति आय और क्रयशक्ति की स्थिति क्या है। भारतीय स्टेट बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले वित्त वर्ष में परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत में करीब पचपन फीसद की गिरावट आई और यह सकल घरेलू उत्पाद के 5.1 फीसद पर पहुंच गई। वित्त मंत्रालय ने घरेलू बचत में गिरावट पर सफाई देते हुए कहा है कि लोग अब आवास और वाहन जैसी भौतिक संपत्तियों में अधिक निवेश कर रहे है। इसका असर घरेलू बचत पर पड़ा है। मंत्रालय ने भरोसा दिलाया है कि संकट जैसी कोई बात नहीं है। सरकार ने यह भी कहा है कि पिछले दो साल में परिवारों को दिए गए खुदरा ऋण का 55 फीसद आवास, शिक्षा और वाहन पर खर्च किया गया है।

परिवारों के स्तर पर वित्त वर्ष 2020-21 में 22.8 लाख करोड़ की शुद्ध संपत्ति जोड़ी गई थी। 2021-22 में लगभग सत्रह लाख करोड़ और वित्तवर्ष 2022-23 में 13.8 लाख करोड़ रुपये की वित्तीय संपत्तियां बढ़ी हैं। इसका मतलब है कि लोगों ने एक साल पहले और उससे पहले के साल की तुलना में इस साल कम वित्तीय संपत्तियां जोड़ी हैं। सरकार के अनुसार ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि वे अब कर्ज लेकर घर और वाहन जैसी भौतिक संपत्तियां खरीद रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक पिछले दो साल में आवास और वाहन ऋण में दोहरे अंक में वृद्धि हुई है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि महामारी के बाद से लोग काफी सचेत हुए हैं। वे जोखिम वाले निवेश से बच रहे हैं। दूसरी बात बचत खातों पर ब्याज पर दर बहुत आकर्षक नहीं हैं।

भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा आयोजित बी-20 बैठक में बोलते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा भी कि ब्याज दरें बढ़ाकर महंगाई नियंत्रित करने की कीमत आर्थिक विकास को चुकानी भारी पड़ सकती है। सरकार चाहे जो तर्क दे पर घरेलू बचत गिरना कोई शुभ संकेत नहीं कहा जा सकता। घरेलू बचत सामान्य सरकारी वित्त और गैर-वित्तीय कंपनियों के लिए कोष जुटाने का सबसे महत्वपूर्ण एवं प्रभावी जरिया होती है। देश की कुल बचत में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी रखने वाली बचत का लगातार गिरना निम्न और मध्यमवर्ग ही नहीं, पूरी अर्थव्यवस्था के लिए चिंता की बात है।

लगातार महंगाई का बढ़ना भी न केवल आमजन के लिये बल्कि सरकार के लिये चिन्ता का कारण है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के अनुमानों से पता चलता है कि जुलाई (7.4 प्रतिशत) की तुलना में अगस्त में यह घटकर 6.8 फीसदी हो गई है। यहां तक कि खाद्य वस्तुओं की महंगाई भी जुलाई के उच्चतम स्तर पर 11.5 फीसदी से घटकर अगस्त में 9.94 प्रतिशत हो गई। इन संकेतों से भले ही राहत की सांसें मिली हो, बावजूद इसके यह अब भी ज्यादा है। यह गिरावट मुख्यतः सब्जियों की कीमतों में कमी के कारण आई है, जो जुलाई की 37.4 फीसदी की तुलना में अगस्त में 26.1 प्रतिशत थी। हालांकि अनाज और दालों में महंगाई दोहरे अंकों में बनी हुई है, जिनमें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के मद्देनजर गिरावट की संभावना फिलहाल नहीं दिख रही। आरबीआई ने स्वीकारा है कि खाद्य मुद्रास्फीति को काबू करना कठिन साबित हो रहा है। मगर अधिकारियों को महंगाई कम करने का महत्वपूर्ण काम सौंपा गया है। स्पष्ट है कि दबाव और प्रतिबंधों के माध्यम से महंगाई को काबू में करने के प्रयास काफी हद तक नाकाम रहे हैं। घरेलू आपूर्ति में कमी के कारण कई खाद्य वस्तुओं, विशेषकर अनाज व दालों में महंगाई रुकने का नाम नहीं ले रही है। गेहूं का उत्पादन गरमी और बेमौसम बारिश के कारण प्रभावित है। यही कारण है कि मई 2022 में गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया गया। चावल के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ है। दालों का भी यही हाल है।

महंगाई अक्सर सत्तापक्ष के लिये राजनीतिक चुनौती बनती रही है, चुनावों में हार-जीत को बहुत गहराई से प्रभावित करने में महंगाई आधार बनती रही है। महंगाई कम करने के लिए हमें वैकल्पिक रास्ते तलाशने होंगे, जो आर्थिक विकास या किसानों के हितों को प्रभावित किए बिना उपभोक्ताओं की रक्षा करें। विकृत एवं असंतुलित बाजार व्यवस्था ने भी अनेक आर्थिक विसंगतियों को जन्म दिया है। एक आदर्श व्यवस्था का चिन्तन ही वर्तमान की आर्थिक समस्याओं का समाधान हो सकता है। वर्तमान सरकार ने गरीबी दूर करने में सफलता पाई है, लेकिन उसकी सोच अमीरी बढ़ाने की भी रही है। छोटे उद्योग, सबके पास अपना काम, हर व्यक्ति के लिये रोजगार की सुनिश्चितता, कोई भी इतना बड़ा न हो कि जब चाहे अपने से निर्बल को दबा सके। एक आदमी के शक्तिशाली होने का मतलब है, कमजोरों पर निरन्तर मंडराता खतरा। एक संतुलन बने। सबसे बड़ी बात है मानवीय अस्तित्व और मानवीय स्वतंत्रता की। इस पर आंच न आये और आवश्यकताओं की पूर्ति भी हो जाये, ऐसी अर्थव्यवस्था की आज परिकल्पना आवश्यक है। तभी बढ़ती महंगाई, आय असंतुलन एवं घटती बचत पर काबू पाया जा सकता है।

आय असमानता, महंगाई, बेरोजगारी एक कल्याणकारी राज्य की सबसे बड़ी विडंबना है। यह जब गंभीर रूप से उच्चतम स्तर पर पहुंच जाती है तो उदार आर्थिक सुधारों के लिए सार्वजनिक समर्थन कम हो जाता है। ध्यान देने वाली बात यह है कि भारत में नव उदारवादी नीतियों से आर्थिक वृद्धि दर को जरूर पंख लगे हैं, लेकिन इससे अमीरों की जितनी अमीरी बढ़ी है, उस दर से गरीबों की गरीबी दूर नहीं हुई है। परिणामस्वरूप आर्थिक असमानता की खाई साल दर साल चौड़ी होती जा रही है। इसलिए हमारे नीति निर्माताओं तथा योजनाकारों को इस बात पर जरूर ध्यान देना चाहिए कि सर्व समावेशी विकास के लक्ष्य को कैसे हासिल करें? ताकि हाशिये पर छूटे हुए वंचितों, पिछड़ों तथा शोषितों को विकास की मुख्यधारा में लाया जा सके। वर्तमान में आर्थिक असमानता से उबरने का सबसे बेहतर उपाय यही होगा कि वंचित वर्ग को अच्छी शिक्षा, अच्छा रोजगार उपलब्ध कराते हुए सुदूरवर्ती गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाए। इसके लिए सरकार को अपनी कल्याणकारी योजनाओं पर कहीं ज्यादा खर्च करना होगा। स्वास्थ्य और शिक्षा पर कहीं ज्यादा राशि आवंटित करनी होगी। अभी इन मदों पर हमारा देश बहुत ही कम खर्च करता है। भारत में वह क्षमता है कि वह नागरिकों को एक अधिकारयुक्त जीवन देने के साथ ही समाज में व्याप्त असमानता को दूर कर सकता है।

सच्चाई यह भी है कि कोई भी देश तेज आर्थिक विकास के बिना बड़े पैमाने पर गरीबी के खिलाफ जंग जीतने में कामयाब नहीं रहा है। अतः आर्थिक सुधारों की रूपरेखा कुछ ऐसे तय करनी होगी, जिससे कि महंगाई, घटती बचत, आय असमानता को कम किया जा सके तथा देश में ऐसा नया आर्थिक माहौल विकसित किया जा सके, जो रोजगार, आम आदमी और गरीबों की खुशहाली पर केंद्रित हो। देश की अर्थव्यवस्था का ढांचा मजबूत करने और विश्व की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में स्थान बनाने के लिए देश में महंगाई, बेरोजगारी, घरेलू बचत, आर्थिक असमानता को कम करने की दिशा में प्राथमिकता के आधार पर काम किया जाना चाहिए। एक ऐसा परिवेश तैयार करने की आवश्यकता है, जिसमें बेहतर जीवन-निर्वाह, स्वास्थ्य और शिक्षा, यथोचित रोजगार, न्याय और उन्नत व उत्कृष्ट तकनीक तक देश के सभी लोगों की पहुंच बनाई जा सके।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गुरुदत्त और वहीदा रहमान ने दी कई यादगार फिल्में

नई दिल्ली/भाषा

गुरुदत्त–वहीदा रहमान की जोड़ी ने हिंदी सिनेमा जगत को कई यादगार और शानदार फिल्में दी हैं और दोनों कलाकारों के बीच दोस्ती का यह रिश्ता जीवन भर बना रहा। दोनों महान कलाकारों की मुलाकात कैसे हुई, इसके पीछे एक रोचक कहानी है और यह सब एक भैंस से शुरू हुआ।

दरअसल, गुरुदत्त 1955 में फिल्म से संबंधित किसी काम के सिलसिले में हैदराबाद आए थे। उसी दौरान उनकी कार एक भैंस से टकरा गयी और कुछ दिन और हैदराबाद में रुकना पड़ा। इसी दौरान उनकी मुलाकात वहीदा रहमान से हुई और फिर जो हुआ वह सिनेमाई इतिहास है। जानी–मानी अभिनेत्री वहीदा रहमान को भारतीय सिनेमा में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए इस वर्ष के दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किए जाने की मंगलवार को घोषणा की गयी।गुरुदत्त और वहीदा रहमान की जोड़ी ने 'प्यासा' (1957), 'कागज़ के फूल' (1959) और 'साहब बीबी और गुलाम' (1962) जैसी सुपरहिट फिल्मों में एक साथ काम किया।

सत्य सरन की पुस्तक 'टेन इयर्स विद गुरुदत्त' में पटकथा लेखक अबरार अल्वी ने दोनों की मुलाकात का किस्सा साझा किया है। अबरार अल्वी ने गुरुदत्त और वहीदा रहमान की मुलाकात को याद करते हुए कहा, '' उस भैंस को धन्यवाद दिया जाना चाहिए, जिसके कारण हमनें वहीदा रहमान को फिल्म के लिए साइन किया। ''

वहीदा रहमान, उस समय एक उभरती हुईं नर्तकी थी और उन्होंने अभी–अभी दक्षिण में अपने फिल्म करियर की शुरुआत की थी और गुरुदत्त 'आर पार' (1954) और 'मिस्टर एंड मिसेज '55' (1955) की सूची में एक और हिट जोड़ने के लिए उत्सुक थे। तमिल हिट 'मिसिअम्मा' (1955) का हिंदी में रीमेक बनाने की तलाश में, गुरुदत्त ने अल्वी और उनके प्रोडक्शन कंट्रोलर गुरुस्वामी के साथ एक कार में हैदराबाद की यात्रा करने का

फैसला किया था। थके हुए अल्वी ने सड़क पर एक भैंस पर कार चढ़ा दी और क्षतिग्रस्त कार के कारण तीनों को हैदराबाद में अपने प्रवास को कुछ दिनों के लिए बढ़ाना पड़ा। उन्हीं दिनों में से एक दिन, सिकंदराबाद में एक फिल्म वितरक के कार्यालय में बैठे गुरुदत्त का ध्यान एक युवा महिला की ओर गया, जो कार से उतरकर सामने की इमारत में दाखिल हुई। फिल्म वितरक ने गुरुदत्त से कहा, '' वह एक तेलुगु फिल्म 'रोजुलु मरायी' में नर्तकी हैं, जो अपने डांस नंबर की वजह से सुपरहिट हुई है। '' दत्त ने उनसे मिलने में रुचि दिखाई और वहीदा रहमान को कार्यालय में बुलाया गया। सादे कपड़ों और बिना लिपस्टिक के वहीदा रहमान गुरुदत्त से मिलने पहुंचीं और उन्होंने सरलता के साथ गुरुदत्त के सवालों का जवाब दिया। वह उस वर्ष दो तेलुगु फिल्मों रोजुलु मारायी और जयसिम्हा में दिखाई दी थीं। अगले वर्ष, गुरुदत्त ने उन्हें अपनी फिल्म 'सीआईडी' (1956) के जरिए हिंदी दर्शकों से परिचित कराया। इस फिल्म का निर्देशन राज खोसला ने किया था। यह पहली बार था जब रहमान और देव आनंद स्क्रीन पर एक साथ नज़र आये। वहीदा रहमान ने भी गुरुदत्त के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए एक पुस्तक में कहा, ''जब मैं उनसे पहली बार मिली तो मुझे नहीं लगा कि वह कोई मशहूर और महान निर्देशक हैं, क्योंकि वह बहुत कम बोलते थे। उन्होंने मुझसे कुछ सवाल पूछे और मैंने मान लिया कि वह बस यही जानना चाहते थे कि क्या मैं सही ढंग से उर्दू बोलती हूं। मुलाकात करीब आधे घंटे तक चली और फिर मैं अपने परिवार के साथ मद्रास लौट आई। '

देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाना युवाओं पर निर्भर करता है : डॉ. तमिलिसाई सौंदराजन

कोयंबटूर/दक्षिण भारत

कोंगुनाडु आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज में मरप्पा जी अरुचामी ऑडिटोरियम में वाई20 टॉक का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता कॉलेज सचिव एवं निदेशक डॉ. सीए वासुकी ने की। तेलंगाना की राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदराजन मुख्य अतिथि थीं। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान, तमिल थाई वज़्थु और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद वाई20 इंडिया के राज्य संयोजक एम अभिषेक असीर ने स्वागत भाषण दिया। डॉ. सीए वासुकी ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया।

उन्होंने कहा कि कॉलेज के स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में इस कार्यक्रम की मेजबानी करके उन्हें खुशी हुई है। उन्होंने उल्लेख किया कि वर्ष 2035 में भारत 15 से 35 वर्ष की आयु के 65 प्रतिशत युवाओं के साथ सबसे बड़ा देश होगा, इसलिए हमें युवाओं को कुशल बनाकर व्यापक अवसर देने होंगे।

उन्होंने वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए समग्र विकास के महत्त्व को समझाया और कहा कि हमारा देश युवाओं द्वारा शुरू किए गए स्टार्ट–अप के जरिए सफलता की नई कहानी लिख रहा है। उन्होंने यह कहते हुए संबोधन समाप्त किया कि कॉलेज को अक्टूबर में इसरो विज्ञान प्रदर्शनी के लिए चुना गया है।

मुख्य अतिथि डॉ. सौंदराजन ने कहा कि महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को मंजूरी देना नारीत्व की जीत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जी20 सरकार के लिए है और वाई20 युवाओं के लिए है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाना युवाओं पर निर्भर करता है। उन्होंने अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और खेलों के महत्त्व पर भी जोर दिया। उन्होंने युवा पीढ़ी को प्लास्टिक के उपयोग से बचकर धरती की रक्षा करने, अधिक पौधे लगाने और कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन में कमी लाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि भारत में निर्मित वस्तुओं को अन्य देशों में बहुत सम्मान मिला है। उन्होंने स्टार्ट–अप्स को 90,000 से अधिक तक बढ़ाने के लिए देशवासियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास के कारण आजकल अन्य देश भारतीय उत्पादों का स्वागत कर रहे हैं।

चर्चा में है प्रभास का वैक्स स्टैच्यू

मुंबई/एजेन्सी

सोशल मीडिया पर प्रभास के एक वैक्स स्टैच्यू बेहद चर्चा में है। इस स्टैच्यू को मैसूर एक म्यूजियम ने लगाया गया है, जिसे लेकर अब विवाद शुरू हो गया है। इस बीच बाहुबली के प्रोड्यूसर शोबू यरलागड्डा ने स्टैच्यू बनाने वालों और म्यूजियम पर लीगल एक्शन लेने की बात कही है। इतना ही नहीं शोबू ने दावा किया है कि इस वैक्स स्टैच्यू को बनाने से पहले बाहुबली के मेकर्स से परमिशन नहीं ली गई।

शोबू ने 24 सितंबर को ट्विटर पर स्टैच्यू की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा– इस स्टैच्यू के लाइसेंस नहीं लिया गया है। स्टैच्यू बनाने वालों ने इसे हमारी परमिशन के बिना तैयार किया है। हमें इसके बारे में कोई जानकारी नहीं थी। हम इसे जल्द से जल्द हटाने की कोशिश करेंगे। बता दें कि प्रभास के स्टैच्यू की तस्वीर उनके फैन पेज ने शेयर की थी। प्रभास का यह नया स्टैच्यू सोशल मीडिया पर बेहद सुर्खियों में है। लोगों का कहना है कि यह स्टैच्यू प्रभास के जैसा नहीं दिख रहा है। एक फैन ने कमेंट सेक्शन में लिखा– यह स्टैच्यू राम चरण की तरह दिख रहा है। दूसरे यूजर ने कहा– बाहुबली के कवच को छोड़कर, यह किसी भी तरह से प्रभास नहीं लग रहे हैं। तीसरे ने लिखा– इनकी शक्ल ऑस्ट्रेलियई क्रिकेटर डेविड वार्नर जैसी लग रही है। एक फैन ने स्टैच्यू का सपोर्ट करते हुए लिखा– 'यह कर्नाटक है। आपको खुश होना चाहिए कि उन्होंने कर्नाटक में तेलुगु एक्टर का स्टैच्यू लगाया है। इसमें परमिशन की कोई जरूरत नहीं। आपको उनके प्यार के लिए खुश होना चाहिए।' बता दें कि 2017 में बाहुबली की सफलता के बाद बैंकॉक के मैडम तुसाद में प्रभास का वैक्स स्टैच्यू बनाया गया था। प्रभास ऐसे पहले साउथ स्टार हैं, जिनका वैक्स स्टैच्यू मैडम तुसाद म्यूजियम में रखा गया है। इसके अलावा एक्ट्रेस काजल अग्रवाल और महेश बाबू का वैक्स स्टैच्यू भी मैडम तुसाद म्यूजियम में रखा गया है।

कांग्रेस अपना मुनाफा बंद होने पर रो रही है : स्मृति ईरानी

लखनऊ/भाषा

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने अमेठी में संजय गांधी अस्पताल के लाइसेंस के निलंबन के मामले को लेकर कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि मृत महिला के परिवार को सहारा देने की बजाय पार्टी अपना मुनाफा बंद होने पर रो रही है।

अमेठी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद स्मृति ईरानी ने संजय गांधी अस्पताल मामले को लेकर पत्रकारों द्वारा पूछे जाने पर कहा कि 'महिला की मौत हुई है अस्पताल की अव्यवस्था की वजह से। जिन लोगों ने एक रोगी को मौत के घाट उतारा उनके खिलाफ कोई कार्रवाई करने की बजाय कांग्रेस उनका मुनाफा बंद हो रहा है, इस पर रो रही है।'

ईरानी ने सवाल उठाते हुए कहा 'क्या अमेठी के एक साधारण नागरिक की जान की कीमत कुछ नहीं है?'

जिले के संजय गांधी अस्पताल को 17 सितंबर को एक 22 वर्षीय विवाहित महिला की मौत के बाद सील कर उसका लाइसेंस निलंबित कर दिया गया था।

इस बीच अस्पताल के कर्मचाारियों, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने संजय गांधी अस्पताल का लाइसेंस बहाल करने की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है।

ईरानी ने 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को पराजित किया था।

संजय गांधी अस्पताल का संचालन दिल्ली स्थित संजय गांधी मेमोरियल ट्रस्ट करता है। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी इस ट्रस्ट की अध्यक्ष हैं तथा पार्टी नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा इसके सदस्य हैं।

इथियोपिया के टिग्रे क्षेत्र में भूख से हुई 1,329 लोगों की मौत

नैरोबी/भाषा। शोधकर्ताओं ने इथियोपिया के टिग्रे क्षेत्र में संघर्ष विराम के बाद भूख से 1,329 लोगों की मृत्यु की पुष्टि की है। संघर्ष विराम के साथ ही वहां नवंबर में दो साल से जारी संघर्ष समाप्त हुआ था।

क्षेत्रीय राजधानी में स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों और मेकेले विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में पाया गया कि टिग्रे में मौत का मुख्य कारण अब भूख है। शोधकर्ताओं की जांच में सामने आया है कि 68 प्रतिशत से अधिक लोगों की मृत्यु का कारण भूख है। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का यह अध्यन 15–29 अगस्त तक टिग्रे के नौ उप–जिलों और आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों के लिए 53 शिविरों में किए गए सर्वे पर आधारित है। टिग्रे में कुल मिलाकर 88 उप–जिले और 643 विस्थापन शिविर हैं, इसलिए पूरे क्षेत्र में भूख से होने वाली मौतों की संख्या लगभग निश्चित रूप से कहीं अधिक है। भूख से मृत्यु का एक कारण अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र द्वारा खाद्य सहायता को निलंबित करना है।

यह फैसला मार्च में टिग्रे में मानवीय मदद के भेजे गए अनाज की बड़ी चोरी सामने आने के बाद लिया गया था। राष्ट्रव्यापी चोरी का पता चलने के बाद जून में इथियोपिया के बाकी हिस्सों में भी सहायता पर रोक लगा दी गई थी।

'सुल्तान ऑफ दिल्ली' में मौनी रॉय ने पहली बार जैज बजाने का किया प्रयास

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस मौनी रॉय ने अपने परफॉर्मंस से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है और अब अपकमिंग प्रोजेक्ट के लिए उन्होंने एक स्पेशल कैबरे डांस सीक्वेंस की तैयारी की है। मौनी ने एक्ट्रा रिहर्सल के लिए टाइम निकालने और अपनी बॉडी लैंग्वेज को बेहतर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। उसी के बारे में बात करते हुए, मौनी ने कहा, मिलन लुथरिया सर वास्तव में बहुत सटीक हैं और वह अच्छे से जानते हैं कि उन्हें क्या चाहिए। मुझे याद है कि मैं हमेशा उनसे पूछती थी कि हम किस गाने पर कैबरे कर रहे हैं। और उन्होंने हमेशा कहा कि यह एक ऑरिजनल गाना होगा और शानदार होगा।''

उन्होंने कहा, ''जब आप शो देखेंगे, तो आप देखेंगे कि मैंने अपने लाइफ में पहली बार जैज करने की कोशिश की है। मैंने इसके लिए काफी रिहर्सल की, क्योंकि इसके लिए अलग बॉडी लैंग्वेज की आवश्यकता होती है और मैं डांस स्टाइल को लेकर बहुत आश्वस्त नहीं थी। मुझे लगता है कि हम सभी मिलन सर के विजन के अनुसार ही चलें।''

अर्नब रे की किताब 'सुल्तान ऑफ दिल्ली: असेंशन' पर आधारित, सीरीज 'सुल्तान ऑफ दिल्ली' रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित और मिलन लुथरिया द्वारा निर्देशित और सुपर्ण वर्मा द्वारा सह–निर्देशित और सह–लिखित है। सीरीद में ताहिर राज भसीन, अंजुम शर्मा, विनय पाठक, निशांत दहिया और महिला अनुप्रिया गोयनका, मौनी रॉय, हरलीन सेठी और मेहरीन पीरजादा शामिल हैं। 'सुल्तान ऑफ दिल्ली' 13 अक्टूबर से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने के लिए तैयार है। इस बीच, मौनी को आखिरी बार 'ब्रह्मास्त्र' में जुनून के रूप में देखा गया था, जिसमें रणबीर कपूर और आलिया भट्ट लीड रोल में थे।

फिल्म 'हम नहीं सुधरेंगे' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी फिल्म हम नहीं सुधरेंगे का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। भोजपुरी फिल्म हम नहीं सुधरेंगे के फ़र्स्ट लुक पोस्टर के मध्य में भोजपुरी फिल्म अभिनेत्री चांदनी सिंह खड़ी है और उनके दोनों तरफ 11 सर लगे हुए हैं, जिनमें कलाकारों की अलग–अलग की मुद्राए हैं।इनमे संजय पांडे, मनोज सिंह टाइगर,प्रकाश जैश,संजय वर्मा,केके गोस्वामी सन्तोष श्रीवास्तव,आनंद मोहन, लोटा तिवारी , सीपी भट्ट , महेश आचार्या, और बिजेंद्र वीआईपी जैसे कॉमेडियन दिखाई दे रहे हैं और उनके बीच मे चाँदनी सिंह हैं। निर्देशक सुनील मांझी ने बताया कि इस फ़िल्म को बनाने के पीछे कारण है कि यह कहानी एकबार में ही पसंद आ गई थी और इसको लेकर हम यह मानने लगे थे कि जितना जल्द हो सके बस इसको बना डालते हैं, बस यही कारण है कि सबने अपने हिस्से का कैरेक्टर बेहद ही तन्मयता और संजीदगी से निभाने जा रहे है और फ़िल्म बहुत ही बेहतरीन बनकर सामने आने वाली है । रूंगटा प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बन रही फिल्म 'हम नहीं सुधरेंगे' के निर्माता आनंद कुमार रूंगटा हैं और इसके निर्देशक सुनील मांझी हैं। इस फ़िल्म का संगीत ओम झा ने दिया है । लेखक मिंकू बाबा ,सिनेमेटोग्राफी सरफराज खान ने किया है, वहीं बैकग्राउंड स्कोर असलम सुरती ने दिया है।

वहीदा रहमान को मिलेगा दादा साहब फाल्के पुरस्कार

खुशी दोगुनी हो गई; आज देव आनंद का जन्मदिन भी है : वहीदा रहमान

मुंबई/भाषा

जानी–मानी अभिनेत्री वहीदा रहमान ने मंगलवार को कहा कि वह 'दादा साहब फाल्के लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार के लिए चुने जाने को लेकर बहुत रोमांचित महसूस कर रही हैं। उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए दोहरी खुशी की बात है क्योंकि यह घोषणा गाइड फिल्म में उनके साथी कलाकार देव आनंद की 100वीं जयंती के मौके पर की गई है। रहमान ने गुरु दत्त की 1956 में आई फिल्म सीआईडी में देव आनंद के साथ अपने करियर की शुरुआत की और उनके साथ प्रेम पुजारी और सोलहवां साल सहित कई अन्य फिल्मों में अभिनय किया। रहमान ने कहा, मैं बहुत खुश हूं और दोगुनी खुशी है क्योंकि आज देव आनंद की जयंती है। मुझे लगता है, 'तोहफा उनको मिलना था, मुझे मिल गया।उन्होंने कहा, यह बहुत अद्भुत है कि उनकी जयंती का जश्न मनाया जा रहा है और मुझे इस सम्मान के लिए चुना गया है। मैं वास्तव में खुश हूं और सरकार की आभारी हूं कि उसने मुझे इस सम्मान के लिए चुना। लिहाजा यह पुरस्कार और देव साहब की 100वीं जयंती संयोग है। रहमान ने प्यासा, कागज के फूल, चौदहवीं का चांद, कभी–कभी और खामोशी जैसी फिल्मों में अभिनय किया, जो जबरदस्त हिट रहीं। उन्होंने कहा कि उन्हें इस पुरस्कार की कोई उम्मीद नहीं थी। वहीदा रहमान ने कहा मैं इन दिनों काम नहीं कर रही हूं। मुझे किसी चीज की उम्मीद नहीं थी, मुझे कभी किसी पुरस्कार की उम्मीद नहीं थी। मुझे लगता है, 'मिलना है तो मिलेगा', अगर उन्हें लगता है कि यह मेरे लिए सही है तो मैं इसे लूंगी, बस इतना ही।

उन्होंने अपने सह–कलाकार देव आनंद के साथ फिल्मों में काम करने से जुड़ी यादों को साझा किया और उन्हें फिल्मों का शौकीन बताया। वहीदा ने कहा, उनके साथ काम करना बहुत सुकूनभरा रहा। पहले दिन से ही बहुत अच्छा था। वो बहुत मददगार किस्म के इंसान थे। मैंने उनके साथ सात फिल्में कीं, और मुझे नहीं लगता कि उन्हें कभी अपने सह–कलाकार, निर्देशक या प्रोडक्शन के लोगों के साथ कोई समस्या हुई हो। उनकी सभी फिल्मों में से, गाइड सबसे ज्यादा याद की जाती है। अभिनेत्री ने कहा, वह एक सज्जन व्यक्ति थे। वह समय पर आते थे। उनका केवल एक शौक था, एक जुनून था, फिल्में बनाना और आखिरी क्षण तक वह फिल्में बना रहे थे। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को घोषणा की कि वहीदा रहमान को दादासाहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, ''मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी और सम्मान महसूस हो रहा है कि वहीदा रहमान जी को भारतीय सिनेमा में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए इस साल के प्रतिष्ठित 'दादा साहब फाल्के लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार' के लिए चुना गया है।''

वहीदा रहमान ने पांच दशक से अधिक के अपने फिल्मी करियर में विभिन्न भाषाओं में 90 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया। उन्हें 'रेशमा और शेरा' (1971) में उत्कृष्ट अभिनय के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें पद्म श्री और पद्म भूषण से भी सम्मानित किया जा चुका है। उनकी पिछली फिल्म 2021 में आई स्केटर गर्ल थी।

लालबागचा राजा मंदिर में थामे दिखे सोनू सूद, फराह खान और श्रेयस तलपड़े

मुंबई/एजेन्सी

एक्टर सोनू सूद, श्रेयस तलपड़े और फिल्म निर्माता फराह खान ने मंगलवार को गणेशोत्सव के अवसर पर बप्पा का आशीर्वाद लेने के लिए लालबागचा राजा का दौरा किया। पंडाल में सोनू सफेद कुर्ते में नजर आ रहे हैं और कैमरे की ओर देखकर मुस्कुरा रहे हैं। इस दौरान उनके साथ उनकी पत्नी सोनाली भी थी।

भीड़ के बीच से पत्नी का हाथ थामे सोनू सूद मंदिर की ओर बढ़ते दिखाई दिए। उन्होंने उत्साह बढ़ा रहे प्रशंसकों की ओर हाथ हिलाया और गणपति बप्पा मोरया का जयकारा लगाया।

वहीं, फराह ब्लैक कलर की ड्रेस में नजर आई। उन्होंने अपने लुक को लॉन्ग नेकपीस से पूरा किया। इनके अलावा कड़ी सुरक्षा के बीच श्रेयस तलपड़े भी अपनी बेटी आद्या के साथ मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे। उन्होंने अपनी बेटी को गोद में उठाया हुआ था। श्रेयस ने ग्रीन कलर का कुर्ता पहना था, जबकि उनकी बेटी ने मैचिंग हेयरबैंड के साथ पिंक फ्रॉक पहना हुआ था। सोनू फिलहाल पंजाब के अमृतसर में अपनी अपकमिंग एक्शन थ्रिलर 'फतेह' की शूटिंग कर रहे हैं, जो साइबर क्राइम पर आधारित है। फिल्म का निर्देशन वैभव मिश्रा ने किया है और मुख्य जोड़ी के रूप में सोनू और जैकलीन हैं। फिल्म में शिवज्योति राजपूत और विजय राज भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। श्रेयस के दो प्रोजेक्ट 'इमरजेंसी' और 'मन्नू और मुन्नी की शादी' पाइपलाइन में हैं।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा 'दि पॉवर ऑफ सबकॉन्शियस माइंड (अवचेतन दिमाग) कार्यशाला का आयोजन मुनिश्री दीपकुमारजी एवं काव्यकुमारजी के सान्निध्य में तेरापंथ भवन में किया गया।

'गणपति बप्पा मोरिया' के जयकारों के साथ प्रतिमा का हुआ विसर्जन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सीरवी समाज महालक्ष्मी लेआउट आईमाता वडेर में दो दिवसीय गणेश महोत्सव का समापन गणपति प्रतिमा विसर्जन के साथ हुआ। इस दिन गणेश जी की विशेष पूजा की व आरती उतारी। उसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें बालक बालिकाओं ने रंगारंग मनमोहक सांस्कृतिक एंव नृत्य कार्यक्रमों की प्रस्तुति ने उपस्थित सब लोगों का मन मोह लिया। बच्चों के चित्रकला पेन्टिंग कार्यक्रम रखा गया। प्रतिभावान बच्चों को शिक्षा व खेल क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरुस्कार देकर सम्मानित किया। विधिपूर्वक गणपति पूजन कर प्रतिमा का विसर्जन किया। इस कार्यक्रम में वडेर के अध्यक्ष गोतम पवांर, उपाध्याय जगदीश राठौड़, सचिव प्रतापराम गेहलोत, कोषाध्यक्ष मोहनलाल लचेटा, सह-कोषाध्यक्ष पुकाराम गेहलोत, नवयुवक के अध्यक्ष बाबूलाल पंवार एवं कमेटी के अनेक सदस्य मौजूद रहे।

'परमात्मा की वाणी सदैव कल्याणकारी व हितकारी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजाजीनगर स्थित शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित पंन्यासश्री भक्तिरत्नविजयजी, मुनिश्री भाग्यचन्द्रविजयजी व बालमुनिश्री भक्तिदर्शनविजयजी म.सा. ने कहा कि परमात्मा की वाणी हमारा संरक्षण करती है । प्रवचन को हल्के में नहीं लेना चाहिए यह गहराई में जाने की विद्या है। परमात्मा की वाणी ही प्रवचन कहलाता है। प्रभु के वचन आप्त वचन माने जाते हैं। दुनियादारी से संतप्त हृदय के लिए प्रभु वचन दिलासा है, निराश मन को आशा का सम्बल है, अशांत आत्मा को आराम है तो थके हुए प्राणी के लिए विश्राम का कारण है। त्रसित हृदयों को प्रभु वचन सान्त्वना देते हैं, निराशों को उत्साह देते हैं और कर्मों की मार सहनेवालों को विश्रान्ति देते हैं। बालमुनि ने शास्त्रकार के उपदेश को रूपक से समझाते हुए कहा कि यह संसार रूपी वन बड़ा ही गहन है। जहाँ चारों तरफ मिथ्यात्व, अविरति, प्रमाद-कषाय और योग नामक पांच-पांच प्रकार की बरसात हो रही है जन्म-जन्म से अनन्त आत्माएँ इन बरसातों में भीगती चली आ रही है। प्राणियों के हित के लिए करुणा सागर तीर्थंकर भगवंतों ने अमृत रस से भरपूर, कल्याणकारिणी, हितकारिणी और अत्यन्त आनन्ददायी वाणी का जो विस्तार किया है अर्थात् प्रवाहमान किया है, वह वाणी हमारा संरक्षण करती है। यह प्रतीति करने के लिए हमें ग्रन्थों को पढ़ना चाहिए और संतों को सुनना चाहिए। इन्हें सुनने और पढ़ने से अति विशेष लाभ है। अगर हम हमारे ग्रन्थ पर पर और संत पर अपनी आस्था बना सकें तो मूलभूत आचार व्यवहार पर अपने आपको केन्द्रित कर सकेंगे और अपने जीवन के लिए यह अति लाभदायक है। प्रभु वचन संसार रूपी जंगल से निकालने में राहबर जैसा है।

विजयनगर तेरापंथ महिला मंडल द्वारा कार्यशाला का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा 'दि पॉवर ऑफ सबकॉन्शियस माइंड (अवचेतन दिमाग) कार्यशाला का आयोजन मुनिश्री दीपकुमारजी एवं काव्यकुमारजी के सान्निध्य में तेरापंथ भवन में किया गया। सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए अध्यक्ष मंजू गादिया ने अभातेममं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हमें केन्द्र से समय-समय पर एक से एक रोचक और ज्ञानवर्धक कार्यशालाएं मिलती रहती है जिन्हें अपने जीवन में उतार कर हम नवजागरण की ज्योत जला सकते हैं। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता बबीता बैद का परिचय उपाध्यक्ष सुमित्रा बरडिया ने दिया। बबीता बैद ने कहा कि मन दो प्रकार का होता है चेतन और अवचेतन। हम जो कुछ भी कहते अथवा करते हैं उन्हें हमारा अवचेतन मन आत्मसात कर लेता है, जिसे उन्होंने छोटे-छोटे उदाहरणों के माध्यम से समझाया। उन्होंने ध्यान का प्रयोग कराते हुए बताया कि किस प्रकार हम अपने अवचेतन मन के साथ जुड़कर उसे बदल कर जीवन में सकारात्मकता ला सकते हैं और उसे खुशियों से भर सकते हैं।

मुनिश्री दीपकुमारजी ने अपने मंगल उद्बोधन द्वारा मंडल को समय-समय पर इस प्रकार की रोचक एवं ज्ञानवर्धक कार्यशालाएं आयोजित करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का संचालन अनीता जीरावला तथा आभार ज्ञापन सरिता छाजेड़ ने किया। मंडल द्वारा मुख्य वक्ता का सम्मान किया गया। कार्यशाला में अभातेममं से कर्नाटक प्रभारी मधु कटारिया, शशिकला नाहर आदि उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में लगभग 40 सदस्याओं ने भाग लिया।

गणेश उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के आरटी नगर स्थित बिहार भवन में सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद, युवा मंडल द्वारा गणेश उत्सव का आयोजन किया जिसमें यजमान अजीत पोद्दार एवं पंडित रामानंद चौधरी ने वेद मंत्रों से पूजा की। इस मौके पर परिषद के अध्यक्ष डॉ विनयकुमार यादव, सचिव राजगुरु, ट्रस्ट अध्यक्ष राजेश्वरसिंह, सचिव रामलखन सिंह, ट्रस्टी हरीशचंद्र झा, मिंटू दुबे, जयशंकर मिश्र, जेके महतो, एसके उपाध्याय यशवंत सिंह, प्रवीण उपाध्याय ,मनीष झा,हीरा झा शीला देवी, नवयुवक मंच के अध्यक्ष मनोहर साहू एवं सचिव अभिषेक सिंह, प्रवीण उपाध्याय आदि अनेक सदस्यों ने सेवाएं दी।

आत्मनिरीक्षण व दोष निवारण के लिए होती है सामायिक : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणीबेन्नूर। यहां शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूतिपूजक संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीजी ने कहा कि सामायिक मर्यादित समय की हो या जीवन पर्यन्त की हो, प्रतिज्ञाबद्ध होने का सूत्र दोनों के लिए एक ही है। पदों की साधना प्रक्रिया सुखी सामायिक में उस सामायिक के साधक को करनी होती है। जैसे जैसे दो घड़ी के समय को बीता देते हैं पर ये जो करना होता है वो तो होता ही नहीं हैं। सामायिक में खुद में उतरना होता है। खुद को पढना होता है। पूर्व काल में समय के लिए घडियों से हिसाब होता था। सामायिक में स्वाध्याय किया जाना चाहिए।

सामायिक की साधना अड़तालीस मिनट यानी दो घडी की इसलिए होती है कि और स्वर शास्त्र भी यह करता है कि हमारा चन्द्र या सूर्यस्वर अड़तालीस मिनट तक के चल सकता है। उसके बाद स्वर स्वतः बदल जाता है। इसलिए कहा कि हम एक स्थिति में अड़चालीस मिनट तक रहे तो हम रह सकते हैं। अतः हम सावध योग से खुद को अलग रख सकते हैं। मंगलवार को संघ की ओर से सामूहिक सामायिक का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

'बेस्ट प्लॉटेड डेवलपर्स ऑफ दि इयर 2023' अवार्ड से सम्मानित हुई 'गुरु पुनवानी प्रॉपर्टीज'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के प्रतिष्ठित प्लॉट डेवलपर 'गुरु पुनवानी प्रॉपर्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड' को टाइम्स ग्रुप (इकॉनॉमिक टाइम्स) द्वारा एचीवर्स कर्नाटक-2023 अवार्ड कार्यक्रम में 'बेस्ट प्लॉटेड डेवलपर्स ऑफ दि इयर 2023'अवार्ड से सम्मानित किया गया। कम्पनी के प्रबंधक संजय बैद ने अवार्ड मिलने पर ख़ुशी जाहिर करते हुए इस अवार्ड प्राप्ति के लिए पूरी गुरु पुनवानी टीम को शुभकामनाएं देते हुए उनके सहयोग को सराहा। बैद ने बताया कि कम्पनी बेंगलूरु व आसपास के क्षेत्रों में करीब 10 प्रोजेक्ट पर काम कर रही है, विशेषकर आनेकल, मैसूरु रोड, नेलमंगला व मुलबागल आदि क्षेत्रों में कम्पनी के आवासीय, इण्डस्ट्रियल एवं खेती के प्लॉट के प्रोजेक्ट चल रहे है। शीघ्र ही कम्पनी बिड़दी से विला के प्रोजेक्ट पर भी काम शुरु करने वाली है। बैद ने अपने सभी ग्राहकों व निवेशकों को धन्यवाद देते हुए कहा कि आगे भविय में कम्पनी गुणवत्ता एवं निवेश पर सही रिटर्न को ध्यान में रखते हुए नई योजनाएं लाएगी।

दूसरों का भला करने से भी सुकून की प्राप्ति होती है : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी ट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि हमारे जीवन में सत्संग का बहुत महत्व है। महापुरुषों द्वारा बताए मार्ग पर चल कर जो प्रेरणा मिलती है उसका हमारे जीवन में बहुत बड़ा महत्व है। उन्होंने लोगों को ऐसे धार्मिक समागमों में बढ़-चढ़ कर शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि महापुरुषों के प्रवचन हमारे जीवन को सही दिशा देने में बहुत सहायक हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि महापुरुषों का चिंतन सांसारिक लोगों से भिन्न होता है। क्योंकि वह जब भी सोचते है तो शुभ ही सोचते हैं। इंसानियत के भले के लिए ही सोचते है। जहां इंसान चिंता को चिंतन समझने की भूल कर बैठता है, वहीं पर महापुरुषों के चिंतन में चिंता का हरण करने वाले प्रभु ही होते है। सांसारिक चिंतन को हम चिंतन की परिभाषा दे सकते है। हमारे महापुरुष जिस शुभ चिंतन की बात करते है उसे जानकर हमें महान व्यक्तित्व के दर्शन हो जाते है। शुभ चिंतन का अर्थ जो प्रभु के साथ मिलने के पश्चात सोचा जाए। फिर ऐसे चिंतन में से स्वार्थ नही बल्कि परमार्थ की महक आती है। फिर दूसरों का भला करने से भी सुकून की प्राप्ति होती है।साध्वी शीतलगुणाश्रीजी ने कहा कि हमेशा परोपकार के कार्य करें तो भगवान की कृपा हासिल होती है और इंसान प्रभु परमात्मा से जुड़ता है।

उसकी जिंदगी से मुश्किलों और कठिनाईयों का अंत होता है और वह भवसागर से पार हो जाता है। दिलीप कांकरिया ने बताया कि साध्वी के दर्शनार्थ अनेक महिला व युवा श्रद्धालु उपस्थित रहे। संघ की ओर से सभी का सम्मान किया गया।

तप एक चिंगारी की तरह है जो सारे कर्मों का नाश कर देती है : साध्वी प्रतिभाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में अक्कीपेट स्थानक में विराजित डॉ प्रतिभाश्रीजी के सान्निध्य में पुच्छीसुणं का संपुट्ठ जाप का आयोजन गतिमान है। साध्वीश्री ने उपस्थित श्रावक श्रावकिओं द्वारा पुच्छीसुणं की छठी गाथा का संपृष्ट जाप किया गया। जाप के बाद में गाथा का विवेचन करते हुए साध्वी ऋषिताश्रीजी ने कहा कि भगवान महावीर के तृतीय पट्टधर आर्य जम्बुस्वामी के मन में भगवान महावीर को जानने की, समझने की तथा उनकी गरिमा का वर्णन सुनने की उत्कृष्ट जिज्ञासा थी। इस जिज्ञासा का समाधान करते हुए भगवान महावीर के द्वितीय पट्टधर आर्य सुधर्मास्वामी ने वीरस्तुति की छठी गाथा के माध्यम से परमात्मा महावीर के चार गुणों का वर्णन किया है। भगवान महावीर प्रज्ञा संपन्न थे। उन्होंने अपनी सर्वोत्तम प्रज्ञा के बल पर पूरी दुनिया को अपने ज्ञान की प्रकाश से प्रकाशित किया। भगवान महावीर अप्रतिबद्ध विहारी थे। वे दुनिया के प्रपंचों से दूर रहकर स्वयं में रमण करते थे। वे बिना किसी रोक-टोक के अपने आप में विचरण करते थे। वे अनंत धैर्यवान थे। धीर वीर और गंभीर थे । कष्टो को सहन करने वाले थे । संगम देव द्वारा एक रात्रि में दिए गए बीस उपसर्गों को उन्होंने समभाव पूर्वक सहन किया था। वे उत्कृष्ट तपस्वी थे। तप एक चिंगारी की तरह है जो सारे कर्मों का नाश कर देती है। तप एक औषधि की तरह है जो आधि व्यधि उपाधि को जड़ से नाश कर सकता है। साध्वी प्रियांगीश्रीजी ने चातुर्मास संबंधी सूचनाएं प्रदान की। मंगलवार को ललिताबाई लुंकड़ ने पंद्रह उपवास के प्रत्याख्यान ग्रहण किये। पुच्छिस्सुणं जाप के लाभार्थी कनकराज मनोजकुमार बाफना एवं फूलचंद सुमितकुमार लुंकड़ थे। हनुमान चौपड़ा ने संचालन किया।

महागणपति पूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के गोविंदराज नगर के हिन्दू महागणपति संगठन द्वारा विजयनगर स्थित बाल गंगाधरनाथ स्वामी खेल मैदान में आयोजित गणेश उत्सव कार्यक्रम में भगवानश्री गणेश की पूजा करते हुए मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने कहा कि लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान गणेश उत्सव के माध्यम से भारतीयों को संगठित किया था यह पर्व हमारे स्वाभिमान को जगाता है ।आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

जीवन में सकारात्मक दृष्टि अति आवश्यक : विनयमुनि खींचन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के पार्श्व सुशील धाम, होसूर रोड में विराजित श्री विनयमुनिजी खींचन ने सत्संग की सुरभि में धर्म संदेश देते हुए कहा कि जहाँ इंसान में जहां गुणदृष्टि होती है वहां सामान्य सभी जीवों के प्रति स्वाभाविक श्रद्धा आदर वात्सल्यपूर्ण भावना रहतीं है। मन में प्रसन्नता बनी रहती है। नकारात्मक भावना में ही धर्म की सबसे बड़ी दुश्मनी देखी जाती है और सकारात्मक भावना भरी सोच हो, ऐसी भावना हो तब ही दोषदृष्टि न होकर गुणदृष्टि बनी रहती है। जिसके लिए अपने मन में श्रद्धा होती है उसमें दोषत्रुटि न दिखाई देकर उसके गुण-अच्छाई ही दिखाई पड़ते हैं। यदि मन में शुभता है तो उसकी हर बात, क्रिया, व्यवहार, आचरण अच्छे लगते हैं। गुणदृष्टि और श्रद्धा आदर्श के रास्ते में सबसे बड़े रोड़े हैं अहंकार और अपेक्षा। अहंकार का काम ही है अपने दोष तथा दूसरे के सद्गुणों को न देखना किन्तु अपने गुणों तथा दूसरे के दोषों-गलतियों को ही देखते रहना है। यही तो अहंकार के जीवित रहने का प्रमुख कारण है। सच्ची श्रद्धा और गुणदृष्टि होने पर यह नहीं देखा जाता कि दूसरे मेरे लिए क्या कर रहे हैं क्योंकि सच्चे भाव में केवल देना जानता है, पाना नहीं चाहता। तब संसार में रहकर भी स्वर्ग जैसी भूमिका बनाते हैं।

'लाफिंग एण्ड शेयरिंग के नि:शुल्क सत्र में भय को दूर करने के उपाय बताए'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के चामराजपेट स्थित प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र पियास में लाफिंग एण्ड शेयरिंग के नि:शुल्क सत्र में किसी भी प्रकार के भय को दूर करने के उपाय बताए गए। पियास की संस्थापिका डॉ नीतू जैन ने सभी का अभिवादन करते हुए कहा कि डर या भय मनुष्य का प्राकृतिक स्वभाव है, परंतु इससे निर्भय होकर जीना सीखना आवश्यक है जो एक कला है। डॉ नीतू जैन ने कहा कि स्वस्थ भय कभी हारने नहीं देगा अपितु जागृत रख कर आगे बढ़ने को प्रेरित करेगा। पियास की डॉ त्रिशा ने बताया कि भय के तीन लक्षण हैं चेहरे पर दिखाई देना, शरीर में बीमारी के रूप में और व्यवहार में बदलाव। इनसे जीतने के लिए परेशानियों का हल निकालना होगा, ध्यान साधना करना और सबसे सरल उपाय किसी भी परिस्थिति में मुस्कराते रहना बताया। गिरधारीलाल, नीलेश बाफना, शिल्पा, दीपक प्रभु, शतज, संतोष, रूचि जैन व प्रभा गुलेच्छा ने अपने अनुभव साझा किए।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com